सुविचार

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है।

दैनिक

रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

■ वर्ष - 10 ■ अंक - 188 ■ मंडला, बुधवार 23 सितम्बर 2026 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-1 रूपये ■ विक्रम संवत् 2083 ■ www.revanchaltimes.com RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877

105 बार हुआ राम मंदिर में चढ़ावा चोरी

अखिलेश यादव ने बीजेपी को घेरा



नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को आरोप लगाया कि शुरूआती जांच में राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी की घटनाएं बढ़कर 105 हो गई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक न्यूज रिपोर्ट की हेडलाइन का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए इस गड़बड़ी में बीजेपी के शामिल होने का आरोप लगाया। यादव ने '' पर कहा कि अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी की शुरूआती सतही जांच में भी यह आंकड़ा 70 से बढ़कर 105 हो गया है। उन्होंने इस घटना को "बेहद निंदनीय" बताया और कहा कि चोरी की घटनाएं उउळश कैमरों में कैद हुई हैं।

रढ प्रमुख का यह आरोप उस घटना के एक दिन बाद आया है जब चंदे में कथित हेराफेरी की जांच कर रही कोर्ट की बनाई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह 25 सितंबर या उससे पहले अपनी पहली चार्जशीट दाखिल करेगी। यादव ने हिंदी में किए गए अपने पोस्ट में यह भी आरोप लगाया कि यह चोरी सरकारी देखरेख में धार्मिक फंड की हेराफेरी के बराबर है और दावा किया कि अयोध्या में हर जगह इखढ नेताओं और उनके साथियों की इसमें मिलीभगत की चर्चा हो रही है।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि धार्मिक कार्यों के लिए चंदा देने वाले भक्तों के साथ धोखा हुआ है और कहा कि इस मुद्दे ने सनातन धर्म को मानने वालों को गहरी चोट पहुंचाई है। यादव ने इखढ पर जनता का भरोसा खोने का भी आरोप लगाया और कहा कि इस कथित घटना से उत्तर प्रदेश, देश और विदेश में पार्टी की बदनामी हुई है। रढ प्रमुख ने इखढ के खिलाफ राजनीतिक आह्वान करते हुए कहा कि अगला चुनाव "धर्म को बचाने की लड़ाई" से कम नहीं होगा और यह नारा दिया कि अब इखढ के खिलाफ धर्म युद्ध होगा। 403 सदस्यों वाली वढ विधानसभा के चुनाव 2027 में होने हैं।

जून के पहले हफ़्ते में राम मंदिर के लिए मिले दान में हेराफेरी का मामला सामने आया। इसके बाद, उत्तर प्रदेश सरकार ने आरोपों की जांच के लिए 13 जून को एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई और उसे शुरूआती तौर पर जांच के लिए 15 दिन का समय दिया। 23 जून को रक्ळ की शुरूआती रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद, 25 जून को ऋक्ष्फ दर्ज की गई और आठ आरोपियों - अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रमाशंकर यादव उर्फ ??टिन्नू यादव - को गिरफ़्तार किया गया।

एशियन गेम्स-2026 में भारत को पहला गोल्ड

भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार सोना जीता; श्रीलंका को 147 रन से हराया



निशिन (जापान)। भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीत लिया है। टीम ने मंगलवार को फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराया। भारत ने 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स में भी गोल्ड मेडल जीता था। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट पर 216 रन बनाए। यह एशियन गेम्स में भारतीय विमेंस टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। 217 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम 15.4 ओवर में 69 रन पर ऑलआउट हो गई। थर्ड प्लेस के मैच में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता है।

मंधाना ने 79 रन की पारी खेली : भारत के लिए स्मृति मंधाना ने 79, ऋचा घोष ने नाबाद 49 और शेफाली वर्मा ने 48 रन की पारी खेली। मंधाना और शेफाली के बीच पहले विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी हुई। मंधाना ने इस पारी के दौरान विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में 11 हजार रन भी पूरे किए। श्रीलंका की ओर से सुगंधिका कुमारी, कविशा दिलहारी और चामुडी प्रभोदा ने एक-एक विकेट लिया।

दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटके

श्रीलंका की टीम 15.4 ओवर ही खेल सकी। चामरी अटापट्टू ने सबसे ज्यादा 29 रन बनाए, जबकि कौशिनी नुथ्यांगना ने 14 और कविशा दिलहारी ने 11 रन बनाए। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी को भी 2-2 विकेट मिले। श्रीलंका के 8 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके।

इस गोल्ड के साथ भारत टॉप-10 में पहुंचा : इस गोल्ड मेडल के साथ भारत एशियन गेम्स-2026 की मेडल टैली में टॉप-10 में पहुंच गया है। भारत के खाते में अब तक 1 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल हैं।

तमिलनाडु में अब कक्षा 8वीं तक के बच्चों को मिलेगा फ्री ब्रेकफास्ट

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने एमके स्टालिन सरकार की सबसे चर्चित कल्याणकारी योजना 'मुख्यमंत्री ब्रेकफास्ट स्कीम' को जारी रखने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री विजय ने इस योजना को उट्ड सरकार के नाम के साथ नहीं लिया, बल्कि योजना का नाम बदल दिया है। सीएम विजय ने इस योजना को कांग्रेस के दिग्गज नेता कामराज के नाम पर योजना का नाम पर रखकर इसे एक नई राजनीतिक पहचान दी है। सरकार ने 'मुख्यमंत्री ब्रेकफास्ट स्कीम' का नाम बदलकर 'पेरुंथलैवर कामराजर ब्रेकफास्ट स्कीम' कर दिया है। इसके जरिए पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता के. कामराज की विरासत को याद किया गया है, जिन्हें स्कूली शिक्षा के विस्तार और राज्य में स्कूल-मील (मिड-डे मील जैसी) योजनाओं को शुरू करने का श्रेय दिया जाता है। सीएम विजय की इस योजना को आगे बढ़ाने के साथ ही बच्चों को नाश्ता करते हुए तस्वीरें भी सामने आई हैं। मुख्यमंत्री स्कूल में जाकर बच्चों से मिले, उन्हें नाश्ता भी कराया, साथ ही उनके साथ जमीन पर बैठकर खुद भी नाश्ता किया।

रिश्वतखोरी मामले में केरलम सरकार का बड़ा फैसला

पूर्व सीएम विजयन के खिलाफ ईडी की रिपोर्ट पर दिए जांच के आदेश



तिरुवनंतपुरम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रिपोर्ट और कानूनी सलाह के आधार पर केरलम सरकार ने मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, उनकी बेटी वीणा टी और उनके पति पीए मोहम्मद रियास के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार ने इस मामले में आगे की जांच और कार्रवाई के लिए पुलिस व क्राइम ब्रांच को निर्देश दे दिए हैं। यह मामला सीएमआरएल कंपनी से जुड़े वित्तीय लेन-देन और रिश्वत के आरोपों से संबंधित है।

अटॉर्नी जनरल की कानूनी सलाह पर कार्रवाई : राज्य सरकार को इस मामले में ईडी के निष्कर्षों के आधार पर अटॉर्नी जनरल जाजू बाबू से कानूनी सलाह मिली थी। बताया जा रहा है कि एजी ने आकलन करने के बाद विजयन और अन्य के खिलाफ जांच की सिफारिश की थी कि केंद्रीय एजेंसी को भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी की ओर इशारा करने वाले सबूत मिले हैं। ईडी ने इस महीने की शुरूआत में राज्य के डीजीपी को एक पत्र भेजकर विजयन और अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज करने की मांग की थी। यह मांग उन सबूतों के आधार पर की गई थी, जिनमें पाया गया था कि पूर्व मुख्यमंत्री ने कोच्चि स्थित खनिज निमार्ता कंपनी कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड से अपनी बेटी वीणा टी और उनकी बंद हो चुकी आईटी फर्म एक्सालॉजिक के माध्यम से रिश्वत ली थी।

3.28 करोड़ की रिश्वत का आरोप : ईडी ने आरोप लगाया है कि विजयन ने खनिज क्षेत्र में कंपनी को फायदा पहुंचाने के बदले निजी फर्म से 3.28 करोड़ रुपये की रिश्वत ली थी।

सुप्रीम कोर्ट बोला-धार्मिक वजह से वंदेमातरम न गाना अपराध नहीं

नई दिल्ली। वंदे मातरम गीत से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा, ह्यधार्मिक कारणों से राष्ट्रगीत न गाने वाले व्यक्ति को आपराधिक कार्रवाई का सामना नहीं करना चाहिए।ह्ल कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने यह देखने पर सहमति दी कि वंदे मातरम न गाने को दंडनीय अपराध बनाया जा सकता है या नहीं। कोर्ट ने यह तय करने से इनकार किया कि राष्ट्रगीत केवल दो अंतरों तक सीमित रहेगा या छह अंतरों तक होगा। कानून में वंदे मातरम के गायन को रोकने या गायन में जानबूझकर बाधा डालने को दंडनीय बनाया गया है। यह सुनवाई गायक टीएम कृष्णा की याचिका पर हुई। न्यूज एजेंसी ढळक के मुताबिक, याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि अंतिम चार पैरा हिंदू देवताओं के प्रति भक्ति का आह्वान करते हैं। इन पैराग्राफ को गाना अनिवार्य बनाना देश के धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन है।

सरकारी अस्पताल के नवजात बच्चों वाले वार्ड में लगी आग, तीन मासूमों की मौत



आदिलाबाद। तेलंगाना के आदिलाबाद स्थित राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (फक्टर) में बड़ा हादसा पेश आया है। यहां अस्पताल के स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट में आग लगने से तीन मासूम बच्चों की मौत हो गई है। इनमें एक 5 दिन का बच्चा भी शामिल है। हादसा सोमवार देर रात करीब 11:40 बजे पेश आया। बताया जा रहा है कि ठउव वार्ड में अउ यूनिट में खराबी के बाद आग लग गई और पूरे वार्ड में धना धुआं भर गया। हादसे के समय वार्ड में 24 बच्चे मौजूद थे। हादसे के बाद अस्पताल के स्टाफ, फायर ब्रिगेड, पुलिस और मेडिकल टीम ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। 20 से अधिक बच्चों को इलाज के लिए सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और आसपास के दूसरे अस्पतालों में भेजा गया। अदिलाबाद के जिला कलेक्टर राजर्षि शाह के मुताबिक अस्पताल में अउ में खराबी के बाद आग लगने की बात सामने आई है। रेस्क्यू के दौरान करीब 26 हफ्ते के एक प्रीमैच्योर बच्चे की मौत हो गई थी। बाकी बच्चों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां बाल रोग विशेषज्ञ उनकी निगरानी कर रहे थे। अब इलाज के दौरान निजामाबाद में एक और मासूम की मौत की खबर सामने आई है। इससे पहले भी एक बच्चे की मौत हो चुकी थी। इस तरह इस घटना में अब तक तीन बच्चों की मौत हो चुकी है। घटना के बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और इसे अस्पताल के दूसरे वार्डों तक फैलने से रोक लिया।

मिजोरम में वउउ लागू करने की मांग

नई दिल्ली। मिजोरम के बीजेपी विधायक के ह्राह्मो ने राज्य में यूसीसी लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे गैर-आदिवासी पुरुषों से शादी करने वाली मिजो महिलाओं को ज्यादा कानूनी सुरक्षा मिलेगी। आइजोल में बीजेपी कार्यालय में एक कार्यक्रम के दौरान ह्राह्मो ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि मिजोरम में गैर-आदिवासी लोगों की मौजूदगी को देखते हुए वउउ लागू करने के मुद्दे की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यूसीसी में एक पत्नी के प्रावधान के साथ तलाक की स्थिति में संपत्ति के बंटवारे के नियम भी हैं। इससे ऐसी शादियों में मिजो महिलाओं और उनके बच्चों की सुरक्षा हो सकती है।

भारी बारिश से यूपी का सीतापुर में पुल डूबा

4 जिलों में स्कूल बंद; राजस्थान में मानसून की विदाई



नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती सिस्टम बन रहा है, जिसके मंगलवार तक चक्रवाती तूफान बनने की संभावना है। बांग्लादेश ने इसका नाम ह्यअर्नबह्ल रखा है। इसके चलते ओडिशा के तटीय और दक्षिणी इलाकों में भारी बारिश हो रही है, जिससे खुर्दा, जगतसिंहपुर, गंजाम और गजपति में स्कूल बंद हैं।

उत्तर प्रदेश में मानसून कमजोर पड़ रहा है, लेकिन पहाड़ों पर भारी बारिश से कई नदियां उफान पर हैं। सीतापुर में चौका नदी से पुल डूब गया है। स्कूली बच्चे को घुटने तक पानी से गुजरकर स्कूल जाने पर मजबूर हैं। मौसम विभाग ने 24 सितंबर से मध्य प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में अब तक मानसून की 91% बारिश हो चुकी है। वहीं, बिहार के पटना समेत 19 जिलों और छत्तीसगढ़ के 7 जिलों में बारिश का अलर्ट है। केरलम में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेज बारिश की आशंका है। राजस्थान से मानसून की विदाई शुरू हो गई है। सोमवार को राज्य में पूरे दिन मौसम साफ रहा। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के ज्यादातर जिलों में अधिकतम तापमान 40ट्ड रहा।

मध्यप्रदेश बिजली गुल से बिजली फुल बना

ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस में कहा-32 हजार मेगावाट क्षमता, 30% हिस्सा क्लीन एनर्जी का



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश ने बिजली गुल रहने का लंबा दौर देखा है, लेकिन आज प्रदेश ह्यपावर कट से पावर सरप्लस स्टेटह्ल बन गया है। राज्य की बिजली उत्पादन क्षमता 32 हजार मेगावाट पहुंच गई है। इसमें करीब 30% हिस्सेदारी क्लीन एनर्जी की है। अब प्रदेश अपनी ऊर्जा जरूरतों से आगे बढ़कर देश की ऊर्जा आवश्यकता पूरी करने की क्षमता रखने वाले चुनिंदा राज्यों में शामिल है।

मुख्यमंत्री ने यह बात रिन्यूएबल एनर्जी और एनर्जी स्टोरेज की किफायती दरों पर खरीद विषय पर आयोजित ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेशवासियों को सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। बिजली की खपत बढ़ने के साथ उत्पादन और संधारण पर भी ध्यान दिया जा रहा है। नई तकनीक के साथ बिजली उत्पादन की नई इकाइयां शुरू की गई हैं।

2002-03 में 5 हजार मेगावाट, अब 32 हजार मेगावाट : सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश बनने से लेकर 2002-03 तक प्रदेश की बिजली उत्पादन क्षमता करीब 5 हजार मेगावाट थी। अब यह बढ़कर 32 हजार मेगावाट हो गई है। इसमें 30% हिस्सा ग्रीन एनर्जी का है। उन्होंने कहा कि थर्मल पावर और अन्य पारंपरिक स्रोतों के साथ अब विंड, सोलर और पंप स्टोरेज से भी बिजली उत्पादन बढ़ाया जा रहा है।

नीमच-मंदसौर में 2 हजार मेगावाट का प्रोजेक्ट : मुख्यमंत्री ने बताया कि नीमच-मंदसौर में ग्रीन गो ने 2 हजार मेगावाट क्षमता का प्लांट स्थापित किया है। उन्होंने इसे देश की बड़ी परियोजनाओं में से एक बताया। उट के मुताबिक, सामान्य तौर पर इतनी बड़ी परियोजना को पूरा होने में 4 से 6 साल लगते हैं, लेकिन मध्यप्रदेश में इसे करीब ढाई साल में पूरा किया जा रहा है।

देश में 50% ग्रीन एनर्जी लक्ष्य हासिल करने का दावा : मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश में ग्रीन और क्लीन एनर्जी पर तेजी से काम हुआ है। उन्होंने कहा कि ऋ20 में ग्रीन एनर्जी उत्पादन और उपयोग बढ़ाने का मुद्दा सामने आने के बाद भारत ने 50% ग्रीन एनर्जी उत्पादन का लक्ष्य हासिल किया। सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से देश में कार्बन उत्सर्जन में 20 करोड़ टन से अधिक की कमी आने की बात भी उन्होंने कही। सम्मेलन में देशभर की 50 से अधिक डिस्कॉम कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इसमें रिन्यूएबल एनर्जी और एनर्जी स्टोरेज की किफायती खरीद के साथ बिजली कंपनियों के सामने आ रही चुनौतियों और उनके समाधान पर मंथन किया गया।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें
7415685293
9589490996
9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

गणेश पंडाल के पास जुए के फड़ पर पुलिस का छापा सात गिरफ्तार

एक लाख 20 हजार 200 रुपये नकद और ताश की गड्डी बरामद



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। गणेश उत्सव के दौरान रानीताल क्षेत्र में गणेश पंडाल के पास चल रहे जुए के फड़ पर पुलिस ने दबिश देकर सात जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से जुए में दांव पर लगाए गए एक लाख 20 हजार 200 रुपये नकद तथा 52 ताश के पत्ते बरामद किए हैं। मामले में पुलिस ने जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार 22 सितंबर 2026 की रात पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली थी कि रानीताल गेट नंबर 1 के सामने स्थित गणेश पंडाल के पास कुछ लोग ताश के पत्तों पर रुपये का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर डॉ आयुष जाखड़ को सूचना की तस्दीक कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। सूचना की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की तैयारी की। एसडीओपी सिहोरा आदित्य सिंघारिया और नगर पुलिस अधीक्षक गोहलपुर शुभम सिंह ठाकुर के नेतृत्व में लार्डगंज थाना प्रभारी नवल आर्य तथा विजय नगर थाना प्रभारी धीरज राज अपनी टीम के साथ रानीताल गेट नंबर 1 के सामने गणेश पंडाल के पास पहुंचे। पुलिस टीम ने मौके की घेराबंदी कर अचानक दबिश दी। पुलिस को देखते ही जुए के फड़ पर मौजूद लोगों में अफरा तफरी मच गई। पुलिस टीम ने मौके से सात लोगों को पकड़ लिया। तलाशी और पूछताछ के दौरान उनके कब्जे से जुए में इस्तेमाल की जा रही नकदी बरामद की गई। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संजय राजपूत उम्र 35 वर्ष निवासी रानीताल गेट नंबर 1 प्यारेलाल बाबा के पास लार्डगंज, राहुल चौबे उम्र 38 वर्ष निवासी जगदीश अखाड़े के पीछे रानीताल, सत्यम श्रीवास उम्र 30 वर्ष निवासी यादव कॉलोनी के पास, देवेंद्र कुमार सोंधिया उम्र 33 वर्ष निवासी रानीताल गेट नंबर 1 नवीन टेंट हाउस, आशीष पटेल उम्र 44 वर्ष निवासी रानीताल गेट नंबर 1 के पास, शिवा यादव उम्र 36 वर्ष निवासी एकता चौक गढ़ा तथा गोविंदा सोनी उम्र 25 वर्ष निवासी सूजी मोहल्ला गोहलपुर के रूप में हुई है। मौके से कुल एक लाख 20 हजार 200 रुपये नकद और 52 ताश के पत्ते बरामद किए गए। पुलिस ने बरामदगी को जब्त कर सातों आरोपियों के विरुद्ध धारा 13 जुआ अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

गणेश उत्सव के बीच पुलिस की कार्रवाई

गणेश उत्सव के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर जुआ और अन्य अवैध गतिविधियों की शिकायतों को लेकर पुलिस लगातार निगरानी कर रही है। रानीताल क्षेत्र में गणेश पंडाल के सामने चल रहे जुए के फड़ पर हुई यह कार्रवाई इसी अभियान का हिस्सा बताई गई है। पुलिस की अचानक दबिश से मौके पर मौजूद जुआरियों को संभलने का मौका नहीं मिला और सभी को पकड़ लिया गया।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका

कार्रवाई में एसडीओपी सिहोरा आदित्य सिंघारिया, नगर पुलिस अधीक्षक गोहलपुर शुभम सिंह ठाकुर के नेतृत्व में लार्डगंज थाना प्रभारी नवल आर्य, विजय नगर थाना प्रभारी धीरज राज तथा पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम में थाना लार्डगंज के प्रधान आरक्षक हरिओम मिश्रा, राजेंद्र सिलावट, आरक्षक राहुल तथा थाना विजय नगर के प्रधान आरक्षक सुरेश दुबे और रामेश्वर शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जुआ और सट्टे जैसी अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

आरपीएफ की सख्ती के बाद अवैध वेंडरों ने बदला ट्रेनों में चढ़ने का ठिकाना



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मुख्य रेलवे स्टेशन के कटनी और इटारसी छोर पर आरपीएफ की सख्ती के बाद आउटर पर रुकने वाली ट्रेनों में सवार होने वाले अवैध वेंडरों ने अपना ठिकाना बदल लिया है। आरोप है कि अब अवैध वेंडर चौथा पुल और मदन महल स्टेशन के बीच से चलती ट्रेनों में सवार हो रहे हैं और जबलपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद प्लेटफार्म पर उतर जाते हैं। इससे रेलवे की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। स्टेशन सूत्रों के अनुसार चलती ट्रेनों में अवैध तरीके से खाद्य सामग्री बेचने का कारोबार लंबे समय से चल रहा है। पहले ऐसे वेंडर रेलवे पुल नंबर-2 के पास या स्टेशन के आउटर पर ट्रेन की रफ्तार कम होने अथवा ट्रेन के रुकने का फायदा उठाकर उसमें सवार हो जाते थे। आरपीएफ द्वारा निगरानी और कार्रवाई बढ़ाए जाने के बाद उन्होंने ट्रेन में सवार होने के लिए नया रास्ता अपना लिया है। सूत्रों का आरोप है कि यह गतिविधि अमित सिंह उर्फ गुज्जी नेगी के माध्यम से संचालित की जा रही है। बताया जा रहा है कि उसके साथ बड़ी संख्या में अवैध वेंडर ट्रेनों में खाद्य सामग्री बेचने का काम कर रहे हैं। हालांकि इस संबंध में संबंधित व्यक्ति का पक्ष सामने नहीं आया है और आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अवैध वेंडरों की संख्या करीब 150 से अधिक होने का दावा किया जा रहा है। आरोप है कि इटारसी की ओर से जबलपुर आने वाली विभिन्न ट्रेनों में ये लोग यात्रियों को चलती ट्रेन में आलू बंडा, समोसा, वेज बिरयानी, अंडा बिरयानी, चाय, शीतल पेय और स्थानीय स्तर पर तैयार पानी की बोतलें बेचते हैं। खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और पानी की शुद्धता को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। बताया जाता है कि रेलवे पुल नंबर-2 के पास स्थित अन्ना बस्ती में किराए के मकान में भोजन तैयार करने के लिए रसोई संचालित की जा रही है। आरोप है कि यहां तैयार खाद्य सामग्री को अलग-अलग माध्यमों से ट्रेनों तक पहुंचाया जाता है और फिर चलती ट्रेन में यात्रियों को बेचा जाता है। यदि यह गतिविधि बिना वैध अनुमति के संचालित हो रही है तो रेलवे और खाद्य सुरक्षा से जुड़े नियमों के उल्लंघन का मामला बन सकता है। पहले अवैध वेंडर स्टेशन के आउटर पर खड़ी या धीमी गति से गुजरने वाली ट्रेनों को निशाना बनाते थे। ट्रेन की गति कम होते ही वे उसमें चढ़ जाते थे और यात्रियों को खाद्य सामग्री बेचने के बाद अगले स्टेशन पर उतर जाते थे। आरपीएफ की सख्ती के बाद यह तरीका जोखिम भरा होने से वेंडरों ने चौथा पुल से मदन महल स्टेशन के बीच के हिस्से को अपना नया चढ़ने का स्थान बना लिया है। चलती ट्रेन में अनधिकृत रूप से चढ़ना और उतरना यात्रियों के साथ-साथ खुद वेंडरों के लिए भी जोखिमपूर्ण है। इसके अलावा बिना अनुमति खाद्य सामग्री की बिक्री से यात्रियों की सुरक्षा और खाद्य गुणवत्ता से जुड़े सवाल भी खड़े होते हैं। रेलवे प्रशासन के सामने ऐसे स्थानों पर निगरानी बढ़ाने की चुनौती है, जहां ट्रेनें स्टेशन से पहले रफ्तार में रहती हैं। रेलवे और आरपीएफ द्वारा यदि आरोपों की जांच की जाती है तो चौथा पुल-मदन महल रेलखंड, संदिग्ध वेंडरों की गतिविधियों और खाद्य सामग्री तैयार करने वाले स्थानों की निगरानी की जा सकती है। वैध लाइसेंस और अनुमति के बिना वेंडिंग पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

चलती ट्रेन से गिरकर यात्री घायल, गार्ड की सतर्कता से समय पर मिला इलाज

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल के अंतर्गत गुर्रमखेड़ी रेलवे स्टेशन के समीप ट्रेन क्रमांक 22366 से गिरकर एक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद ट्रेन के गार्ड ने सतर्कता दिखाते हुए तत्काल ट्रेन रुकवाई और घायल यात्री को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। समय पर सहायता मिलने से यात्री को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकी। जानकारी के अनुसार घायल यात्री राघवेंद्र सिंह, पिता हनुमान सिंह, उम्र 35 वर्ष, निवासी कुसवार, थाना सिमरिया, जिला रीवा है। वह ट्रेन क्रमांक 22366 में यात्रा कर रहा था। गुर्रमखेड़ी रेलवे स्टेशन के पास यात्रा के दौरान वह अचानक चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। गिरने से यात्री को गंभीर चोटें आईं। यात्री के ट्रेन से गिरने की सूचना मिलते ही ट्रेन के गार्ड ने तत्काल कार्रवाई की और ट्रेन को रुकवाया। इसके साथ ही घटना की जानकारी रेल नियंत्रण कक्ष को दी गई। सूचना मिलने के बाद गुर्रमखेड़ी रेलवे स्टेशन से स्ट्रेचर मौके पर मंगाया गया, ताकि घायल यात्री को सुरक्षित तरीके से ट्रेन तक पहुंचाया जा सके। स्टेशन से पहुंचे सफाईकर्मियों और आरपीएफ कर्मचारियों की मदद से घायल यात्री को उठाकर ट्रेन के गार्ड कोच में पहुंचाया गया। इसके बाद उसे ट्रेन के साथ पिपरिया रेलवे स्टेशन तक ले जाया गया। इस दौरान रेलकर्मियों ने यात्री की स्थिति पर नजर बनाए रखी और उसे जल्द से जल्द चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी की। ट्रेन के पिपरिया स्टेशन पहुंचने के बाद वाणिज्य विभाग के स्टेशन प्रबंधक, वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों और आरपीएफ स्टाफ ने घायल यात्री को अटेंड किया। यात्री की स्थिति को देखते हुए तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था की गई और उसे शासकीय चिकित्सालय भेजा गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने घायल यात्री का उपचार शुरू किया। फिलहाल वह चिकित्सकों की निगरानी में है। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार उपचार के बाद उसकी तबीयत में तेजी से सुधार हो रहा है।

गढ़ा जोन का युवक कांग्रेस ने किया घेराव, नगर निगम की बदहाली और आवारा मवेशियों के मुद्दे पर सौंपा ज्ञापन





दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। पश्चिम विधानसभा अंतर्गत गढ़ा जोन क्रमांक-1 में व्याप्त जनसमस्याओं को लेकर युवक कांग्रेस ने नगर निगम प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पूर्व मंत्री तरुण भनोट एवं प्रदेश कांग्रेस सचिव गौरव भनोट के निर्देश पर युवक कांग्रेस पश्चिम विधानसभा अध्यक्ष नितिन सिंह के नेतृत्व में कार्यकताओं ने गढ़ा जोन कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान गढ़ा क्षेत्र के वार्डों में पसरी गंदगी, बदहाल कचरा प्रबंधन और आवारा पशुओं की समस्या को लेकर सांकेतिक रूप से जोन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। युवक कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि अगले 15 दिनों के भीतर गढ़ा जोन के अंतर्गत आने वाले वार्डों की समस्याओं का स्थाई निराकरण नहीं किया गया, तो कांग्रेस कार्यकर्ता गढ़ा जोन कार्यालय में तालाबंदी कर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

वार्डों में गंदगी का अंबार

प्रदर्शन के दौरान युवक कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि गढ़ा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में नियमित रूप से सफाई नहीं हो रही है। डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन व्यवस्था पूरी तरह ठप पड़ी है, जिससे जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं। सफाई न होने से क्षेत्र में तेजी से संक्रामक बीमारियां फैल रही हैं, जिससे आम जनता का जीना मुहाल हो गया है। इसके अलावा, सड़कों पर आवारा मवेशियों और आवारा कुत्तों के जमावड़े से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, सोनू कुकरेले, मनीष पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष बलवंत गुर्जर, सलिल चौकसे, अभिषेक पाठक, गुड्डू तामसेतवार, पूर्व पार्षद संजय राठौर, मनोज पाटकर, मिंटू मिश्रा, अभ्युत बाजपेयी, अदनान अंसारी, मोंटी वंशकार,शिशांत सिंह ठाकुर, अभिषेक तिवारी, श्रेष्ठ ठाकुर, रूपेश पाठक, विवेक जैन, अखिलेश शर्मा, आलोक उपाध्याय, सक्षम गोस्वामी, ऋषभ मिश्रा, मिथुन शिवहरे, अनिल पटेल, डिक्की जॉन, आशुतोष दुबे, स्वप्निल ठाकुर, दुर्गेश पाठक, प्रतीक चौकसे, बीरू सेन, जित्तू केवट, फहीम खान, संतु पटेल, रूपेश मिश्रा, चंकी पाण्डेय, सलभ शुक्ला और शुभम बोहीत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिव शक्ति दुर्गा मंदिर में चोरी का आरोपी कुछ घंटे में गिरफ्तार



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र की विनोबा भावे कॉलोनी स्थित शिव शक्ति दुर्गा मंदिर में हुई चोरी का पुलिस ने कुछ ही घंटे में खुलासा कर दिया। मंदिर में 18 से 19 सितंबर की रात अज्ञात चोर ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। घटना की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 264/26 दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(ए) और 331(4) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय के निर्देशन में जांच के लिए टीम गठित की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आयुष जाखड़ और नगर पुलिस अधीक्षक ओमती सोनू कुर्मी के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने मंदिर और आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस को संदिग्ध के संबंध में महत्वपूर्ण सुराग मिले। पुलिस ने सुरागों के आधार पर छुई खदान निवासी दीपक उर्फ बबलू पिता छोटेलाल चौधरी को गिरफ्तार किया। पूछताछ और जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मंदिर से चोरी किया गया पूरा सामान बरामद करने का दावा किया है। चोरी का सामान बरामद होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच को आगे बढ़ाया। पुलिस के अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी घटना के कुछ घंटे के भीतर की गई। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने अकेले वारदात को अंजाम दिया था या उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था। चोरी के सामान को बरामद कर पुलिस ने उसे जब्त कर लिया है। कार्रवाई में सिविल लाइन थाना प्रभारी शशि धुर्वे, सहायक उपनिरीक्षक शैलेंद्र मार्को, प्रधान आरक्षक मनोहर पटेल, सदन दीक्षित तथा आरक्षक सुनील पारधी, विनय सिंह, विनोद और मनीष दुबे शामिल रहे। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूचना तंत्र के आधार पर आरोपी तक पहुंच बनाई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मंदिर में चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए संवेदनशील धार्मिक स्थलों के आसपास निगरानी बढ़ाने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने की जरूरत है। मामले में आरोपी से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

घर के आंगन में अवैध शराब का भंडारण, 290 पाव बरामद

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। ग्वारीघाट थाना क्षेत्र की नई बस्ती में पुलिस ने एक मकान पर दबिश देकर अवैध शराब बरामद की है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपी उमेश पटेल को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 290 पाव अवैध शराब बरामद होने का दावा किया गया है। ग्वारीघाट थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल के अनुसार पुलिस को 20 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि उमेश पटेल अपने घर के आंगन में अवैध शराब का भंडारण कर रहा है। बताया गया था कि वह शराब को बेचने की तैयारी में है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई की योजना बनाई। मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर पुलिस टीम पहुंची तो वहां एक व्यक्ति आंगन में दो बोरियां रखे खड़ा दिखाई दिया। मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर पुलिस ने उसकी पहचान उमेश पटेल के रूप में की। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे मौके पर पकड़ लिया। पुलिस ने दोनों बोरियों की तलाशी ली तो उनमें शराब की बोतलें मिलीं। गिनती करने पर कुल 290 पाव अवैध शराब बरामद की गई। पुलिस ने शराब को जब्त कर आरोपी को हिरासत में लिया और उसे थाने लाया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी के पास शराब रखने और उसे बेचने के संबंध में कोई वैध अनुमति या दस्तावेज नहीं मिले। इसके बाद उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस अब शराब के स्रोत और इसे कहां-कहां खपाने की तैयारी थी, इसकी जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर अवैध रूप से शराब का भंडारण और बिक्री करने वालों की जानकारी जुटाई जा रही है।

बरगी में अवैध शराब और नियम विरुद्ध अहातों के खिलाफ प्रदर्शन



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब की बिक्री और नियमों के विपरीत संचालित किए जा रहे अहातों पर रोक लगाने की मांग को लेकर भगवती मानव कल्याण संगठन एवं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं का प्रदर्शन जारी है। इसी क्रम में बरगी क्षेत्र में कार्यकताओं ने रैली निकालकर अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ आवाज उठाई। रैली के बाद बड़ी संख्या में कार्यकर्ता बरगी थाना पहुंचे और थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में कथित रूप से हो रही अवैध कच्ची और देशी शराब की बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की गई। संगठनों ने कहा कि अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन को लगातार निगरानी और कार्रवाई करनी चाहिए। संगठनों ने शराब दुकानों के आसपास नियमों के विपरीत संचालित किए जा रहे अहातों की भी जांच कराने की मांग की। उनका कहना है कि कुछ स्थानों पर शराब दुकानों के बाहर लोगों को बैठाकर शराब पिलाने की व्यवस्था की जा रही है। इससे आसपास के वातावरण पर असर पड़ रहा है और स्थानीय लोगों, विशेषकर महिलाओं तथा बच्चों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में शराब दुकानों के बाहर नियमों के विपरीत लगाए गए बड़े या निर्धारित संख्या से अधिक बोर्ड हटाने की मांग भी की गई। संगठनों ने आरोप लगाया कि कुछ दुकानों के शटर में खिड़कियां बनाई गई हैं, जिनके माध्यम से रात के समय शराब बेचने की शिकायतें सामने आती रही हैं। इन शिकायतों की जांच कर दोषी पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। कार्यकताओं ने प्रशासन से शराब दुकानों और उनके आसपास की गतिविधियों की जांच कराने तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की। संगठनों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब की बिक्री से लोगों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है और इसे रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाना जरूरी है।

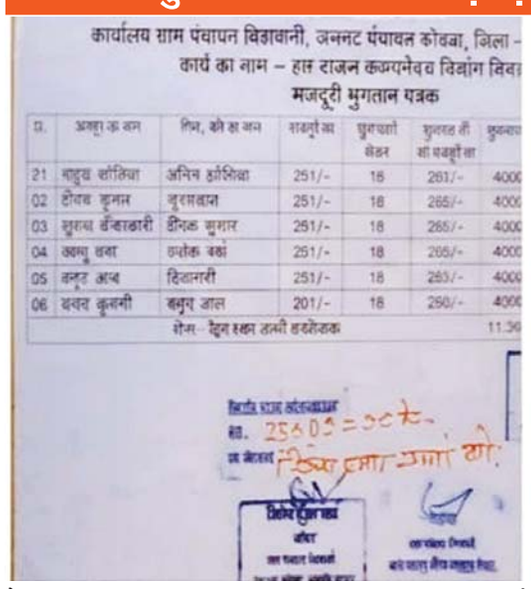
लोकायुक्त ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कर्मचारी पर आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में उच्च वर्ग लिपिक के पद पर पदस्थ कर्मचारी नेता बंश बहोर पटेल के खिलाफ लोकायुक्त संगठन ने आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है। लोकायुक्त की जांच में उनकी आय और व्यय में अंतर पाए जाने के बाद भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है। मामले की जानकारी सामने आने के बाद विश्वविद्यालय में इसे लेकर चचाएं तेज हो गई हैं। लोकायुक्त के अनुसार बंश बहोर पटेल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति को लेकर शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत के आधार पर उनकी आय और व्यय से जुड़े दस्तावेजों की जांच की गई। जांच में अब तक उनकी कुल आय 91,88,611 रुपये और कुल व्यय 1,68,51,337 रुपये पाया गया है। इन आंकड़ों के आधार पर लोकायुक्त ने 85.57 प्रतिशत अनुपातहीन संपत्ति पाए जाने की जानकारी दी है।जांच के दौरान लोकायुक्त ने संबंधित अवधि में कर्मचारी की आय के स्रोतों और किए गए खर्च से जुड़े रिकॉर्ड की पड़ताल की। आय की तुलना में अधिक व्यय पाए जाने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रकरण दर्ज किया गया। लोकायुक्त की ओर से यह भी जांच की जा रही है कि संबंधित खर्च और संपत्ति के लिए आय के कौन-कौन से स्रोत रहे हैं। लोकायुक्त ने बंश बहोर पटेल के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 में वर्ष 2018 में किए गए संशोधन के तहत धारा 13(1)(बी) और 13(2) में मामला दर्ज किया है। प्रकरण दर्ज होने के बाद विवेचना शुरू कर दी गई है। जांच के दौरान आय, संपत्ति और व्यय से संबंधित दस्तावेजों की आगे भी पड़ताल की जाएगी। लोकायुक्त की जांच में सामने आए आंकड़े फिलहाल अब तक की जांच पर आधारित हैं। जांच आगे बढ़ने के साथ आय और व्यय से जुड़े अन्य दस्तावेजों की भी जांच की जाएगी। इसके बाद मामले में अनुपातहीन संपत्ति की स्थिति से संबंधित अंतिम तस्वीर स्पष्ट होगी।

बंश बहोर पटेल वर्तमान में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में उच्च वर्ग लिपिक के पद पर कार्यरत हैं। वे विश्वविद्यालय के कर्मचारी संगठन से भी जुड़े रहे हैं। उनके खिलाफ मामला दर्ज होने की जानकारी सामने आने के बाद विश्वविद्यालय परिसर में इस कार्रवाई को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि मामले में अंतिम स्थिति जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

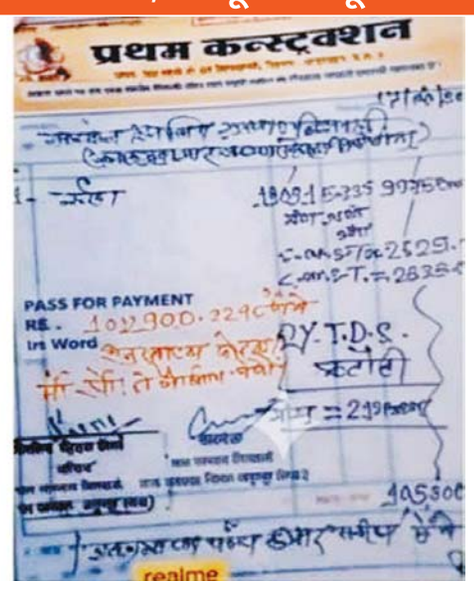
ठेका, सप्लाई, मजदूरी के दस्तावेजों पर सवाल, 15 लाख के निर्माण पर घमासान, 19 हजार ईंटो का बिल

भुगतान अभिलेखों में गड़बड़ी के आरोप, मजदूरों की सूची में मंडल अध्यक्ष की पत्नी का नाम


कार्यालय ग्राम पंचायत बिछावानी, जनपद पंचायत कोतमा, जिला -
कार्य का नाम – हाट राजन कम्पनेवरा विकास विभाग
मजदूरी भुगतान पत्रक

क्र.	श्रमिक का नाम	पिता/पति का नाम	मजदूरी दर	सुरक्षा सेस	शुद्ध मजदूरी	हस्ताक्षर
01	मंजू वर्मा	अनिल द्वारीसेवा	251/-	18	261/-	4000
02	दीपक कुमार	सुरजलाल	251/-	18	265/-	4000
03	सुरेश बैगा	दीपक सुमार	251/-	18	265/-	4000
04	लक्ष्मू धुरा	उमेश धुरा	251/-	18	265/-	4000
05	बलदेव आर्य	हिरामणी	251/-	18	265/-	4000
06	धनवर कुशवी	बलभद्र लाल	201/-	18	250/-	4000

योग- देख रेख तकनी हस्ताक्षर 11.36


प्रथम कन्स्ट्रक्शन
PASS FOR PAYMENT
RE.
In Word
R.Y.T.D.S.
कटोरी

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के नाम पर होने वाले खर्च की पारदर्शिता पर लगातार सवाल उठते रहे हैं, लेकिन निगवानी ग्राम पंचायत का हाट बाजार निर्माण कार्य अब ऐसे आरोपों के घेरे में है, जिनकी निष्पक्ष जांच हुई तो कई परतें खुल सकती हैं। करीब 15 लाख रुपए की लागत से निमार्णाधीन हाट बाजार में ठेकेदारी, निर्माण सामग्री की सप्लाई, मजदूरी भुगतान और पूर्व में किए गए भुगतान को लेकर गंभीर सवाल सामने आए हैं। मामले में भाजपा कोतमा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राजेश वर्मा की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। निर्माण स्थल पर उनकी मौजूदगी और मजदूरों को दिशा-निर्देश दिए जाने की बात सामने आने के बाद ग्रामीणों में चर्चा है कि आखिर निर्माण कार्य में उनकी वास्तविक भूमिका क्या है? हालांकि ठेका, सप्लाई या किसी वित्तीय हित में उनकी संलिप्तता का अंतिम निष्कर्ष दस्तावेजी जांच के बाद ही निकाला जा सकता है। निर्माण कार्य में 19 हजार से अधिक ईंटों की सप्लाई का बिल प्रथम कंस्ट्रक्शन के नाम से सामने आने की बात कही जा रही है। बिल की राशि करीब 2.10 लाख रुपए बताई जा रही है, जबकि पंचायत द्वारा लगभग 1.05 लाख रुपए का भुगतान किए जाने की जानकारी सामने आई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि प्रथम कंस्ट्रक्शन आखिर है कहां? स्थानीय स्तर पर इस नाम से निर्माण सामग्री सप्लाई करने वाले प्रतिष्ठान की स्पष्ट जानकारी नहीं मिलने से बिल की वैधता और वास्तविक सप्लायर की पहचान जांच का विषय बन गई है। मामले का दूसरा गंभीर पहलू पंचायत के पूर्व सचिव दिलीप शर्मा से जुड़ा है। आरोप है कि निर्माण कार्य का पर्याप्त मूल्यांकन किए बिना ही छह लाख रुपए से अधिक की राशि ठेकेदार को जारी कर दी गई। इसके विपरीत वर्तमान सचिव के अनुसार मौके पर अब तक लगभग चार से साढ़े चार लाख रुपए का ही कार्य हुआ है। वर्तमान सचिव द्वारा आगे भुगतान रोकने की बात भी सामने आई है। हाट बाजार निर्माण के मजदूरी भुगतान पत्रक ने भी मामले को और गंभीर बना दिया है। एक पत्रक में छह मजदूरों को करीब 23 हजार रुपए भुगतान का उल्लेख है। इनमें मंजू वर्मा का नाम मजदूर के रूप में दर्ज है, जबकि पति के नाम के आगे राजेश वर्मा लिखा हुआ बताया जा रहा है। उनके नाम पर करीब चार हजार रुपए मजदूरी भुगतान का उल्लेख भी सामने आया है। सूत्रों का दावा है कि ऐसे कई अन्य पत्रक भी हैं, जिनमें मंजू वर्मा का नाम मजदूर के रूप में दर्ज है।

ड्राइंग व भाषण प्रतियोगिता संपन्न, विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा, स्वच्छता का दिया संदेश



दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप देने और विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत सुंदरम कंप्यूटर इंस्टीट्यूट, उमरिया में ह्स्वच्छता ही सेवाह्व के तहत ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर राखी सहाय एवं जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह के मार्गदर्शन में युवा टीम उमरिया मध्यप्रदेश द्वारा किया गया।कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया। ड्राइंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने चित्रों के माध्यम से स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त वातावरण की कल्पना को उकेरा, वहीं भाषण प्रतियोगिता में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक के दुष्प्रभाव तथा व्यक्तिगत एवं सामाजिक जिम्मेदारी जैसे विषयों पर प्रभावी विचार रखे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवा टीम उमरिया के अध्यक्ष हिमांशु तिवारी ने कहा कि स्वच्छता किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। स्वच्छता की शुरूआत स्वयं से होती है और इसका प्रभाव पूरे समाज तक पहुंचता है।ह्व उन्होंने विद्यार्थियों से अपने घर, संस्थान, सड़क, सार्वजनिक स्थल एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के साथ दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि युवा एवं विद्यार्थी समाज में सकारात्मक परिवर्तन के सबसे प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। यदि विद्यार्थी आज स्वच्छता को अपनी आदत बना लें, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्रदान किया जा सकता है। भाषण प्रतियोगिता में छात्रों ने सहभागिता करते हुए स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार प्रस्तुत किए। ड्राइंग प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए स्वच्छता से जुड़े संदेशों को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया। सुंदरम कंप्यूटर इंस्टीट्यूट उमरिया के संचालक दिलीप शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के बीच इस तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित करने से उनमें रचनात्मकता के साथ सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होती है।

निर्माण कार्य में आई तेजी निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने दिए तत्काल कार्य शुरू कराने के निर्देश



दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा शहर में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने एवं विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों में लगातार स्थल निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा जितेंद्र भंडारी के निदेर्शानुसार इंदिरा चौक से न्यू बस स्टैंड मार्ग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग की सड़क की स्थिति का जायजा लिया गया। अधिकारियों द्वारा सड़क की स्थिति, साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था तथा आसपास की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों से भी चर्चा कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी ली गई। जिला कलेक्टर पार्थ जायसवाल के निर्देश एव मार्गदर्शन के साथ मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा जितेंद्र भंडारी ने संबंधित अधिकारियों, इंजीनियर एवं ठेकेदार को आवश्यक सुधारात्मक एवं निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए तथा कार्य के दौरान नागरिकों के आवागमन में कम से कम असुविधा हो। निदेर्शों के तत्काल पालन में मौके पर ही सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ करा दिया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सड़क और आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई एवं व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगरवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर पालिका परिषद की प्राथमिकता है। सड़क, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों की नियमित निगरानी की जा रही है।

कटाई के दौरान पेड़ की चपेट मे आने से मजदूर की हुई मौत, ठेकेदार बिना सुरक्षा उपकरण के करवा रहा था कटाई



दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। बुढ़ार थाना क्षेत्र के गोपालपुर में वन भूमि पर पेड़ कटाई के दौरान एक मजदूर की पेड़ की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना ने वन भूमि पर कराए जा रहे कटाई कार्य के दौरान मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रत्यक्षदर्शी मजदूरों ने आरोप लगाया कि काम के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपकरण और पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम उपलब्ध नहीं कराए गए थे। जानकारी के अनुसार गोपालपुर बीट में वन विभाग की भूमि पर लगे यूकेलिप्टस (लिप्टिस) के पेड़ों की कटाई का कार्य कराया जा रहा था। इसी दौरान जैतपुर क्षेत्र के शाहपुर निवासी केशव प्रसाद पेड़ काटने के काम में लगा था। कटाई के दौरान अचानक पेड़ असंतुलित होकर मजदूर के ऊपर जा गिरा। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद साथी मजदूरों ने मामले की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दी। बताया जा रहा है कि गोपालपुर क्षेत्र में वन भूमि से पेड़ों की कटाई के बाद जमीन को बिरला कॉपोर्रेशन लिमिटेड की विक्रम कोल माइंस परियोजना के लिए उपलब्ध कराने की प्रक्रिया चल रही है। इसी क्रम में वन क्षेत्र में पेड़ हटाने का कार्य कराया जा रहा था। लोगो का कहना है की बिना सुरक्षा उपकरण के पेड़ों की कटाई हो रही थी। घटना की सूचना मिलने के बाद बुढार थाना के प्रभारी रजनीश तिवारी दल बल सहित मौके पर पहुंचे और स्थितियों को संभाला, वही वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी जुटाई। वन परिक्षेत्र जैतपुर के एसडीओ वीरभद्र सिंह परिहार ने कहा कि घटना की जांच कराई जाएगी। जांच में यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अब जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि पेड़ कटाई का कार्य किसकी निगरानी में कराया जा रहा था।

बैडमिंटन प्रतियोगिता में कल्याणिका महाविद्यालय का शानदार प्रदर्शन पुरुष एकल एवं युगल में कल्याणिका विजेता

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। अमरकंटक स्थित कल्याणिका शिक्षा निकेतन कल्याणिका महाविद्यालय जिला स्तरीय अंतर महाविद्यालयीन बैडमिंटन प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय आयोजन किया गया। खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने वाली इस प्रतियोगिता में अनूपपुर जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ सहभागिता की। कोर्ट पर खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले और हर अंक के साथ प्रतियोगिता का उत्साह चरम पर पहुंचता रहा। प्रतियोगिता में शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर, शासकीय महाविद्यालय कोतमा, शासकीय महाविद्यालय जैतहरी तथा कल्याणिका महाविद्यालय अमरकंटक के खिलाड़ियों ने भाग लिया। विभिन्न वर्गों में खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट कौशल, संयम और जुझारूपन का परिचय देते हुए खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के परिणामों में पुरुष एकल वर्ग में कल्याणिका महाविद्यालय, अमरकंटक के खिलाड़ी ने विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि शासकीय महाविद्यालय जैतहरी उपविजेता रहा। इसी प्रकार पुरुष युगल वर्ग में भी कल्याणिका महाविद्यालय अमरकंटक विजेता तथा शासकीय महाविद्यालय जैतहरी उपविजेता रहा। वहीं महिला एकल वर्ग में शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर की खिलाड़ी विजेता रहीं, जबकि कल्याणिका महाविद्यालय अमरकंटक ने उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। महिला युगल वर्ग में भी शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कल्याणिका महाविद्यालय अमरकंटक की टीम उपविजेता रही।



वन विभाग ने जप्त किया किसान का ट्रैक्टर, राजस्व दस्तावेज दिखाकर मुक्ति की मांग

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। ग्राम नरवार, तहसील मानपुर निवासी अनिल जायसवाल पिता मोतीलाल जायसवाल का पावरट्रैक 434-39 एचपी ट्रैक्टर वन विभाग द्वारा जप्त किए जाने के मामले में प्रार्थी ने क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व सहित संबंधित अधिकारियों के समक्ष आवेदन देकर ट्रैक्टर को नियमानुसार मुक्त किए जाने की मांग की है। आवेदन के अनुसार 22 जुलाई 2026 को सुबह करीब 8 बजे ग्राम नरवार निवासी विश्राम पिता अधानू बैगा ने प्रार्थी को फोन कर जुताई के लिए बुलाया था। प्रार्थी अपना ट्रैक्टर लेकर विश्राम बैगा के घर के बगल में स्थित खेत पर जुताई करने पहुंचा, जहां पूर्व से मकान एवं कुआं भी बना हुआ है। सुबह करीब 9 बजे जुताई के दौरान वन विभाग के अमले ने ट्रैक्टर को जप्त कर विभाग के कार्यालय में खड़ा कर दिया। प्रार्थी ने बताया कि उक्त ट्रैक्टर रेंजर मानपुर अंकित सोनी द्वारा जप्ती की कार्यवाही कर कार्यालय में खड़ा कर लिया गया है। पूछताछ करने पर प्रार्थी को बताया जाता है कि उनका ट्रैक्टर "राजसात" हो गया है, जबकि प्रार्थी का कहना है कि ट्रैक्टर वन क्षेत्र में नहीं, बल्कि राजस्व क्षेत्र में जुताई कर रहा था। प्रार्थी के अनुसार ग्रामवासियों, विश्राम बैगा एवं पटवारी से मिली जानकारी अनुसार संबंधित भूमि खसरा क्रमांक 281/297/1, रकबा 1.2560 हेक्टेयर से जुड़ी है। दस्तावेजों के मुताबिक इसी खसरा नंबर में न्यायालय तहसीलदार, तहसील मानपुर के राजस्व प्रकरण क्रमांक 55 में 2 अगस्त 2016 के आदेश के आधार पर विश्राम पिता अधानू बैगा के नाम 3030 का आबादी भूखंड पट्टा जारी है। इसी खसरा में अधानू बैगा पिता परसदिया बैगा के नाम भी आबादी भूखंड पट्टा है, तथा बेदाबाई पति अधानू बैगा के नाम ग्राम पंचायत पतौर के कक्ष क्रमांक 344 में 0.177 हेक्टेयर वन अधिकार पट्टा भी दर्ज है। प्रार्थी ने स्पष्ट किया कि उसने उपलब्ध राजस्व दस्तावेजों के आधार पर ही संबंधित व्यक्ति के बताए स्थान पर जुताई की थी, न कि किसी वन भूमि पर कब्जे के उद्देश्य से। ट्रैक्टर एक्सिस बैंक, ब्यौहारी से फाइनेंस पर लिया गया है और परिवार की आजीविका का मुख्य साधन है।

अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्रवाई, 3 हजार किलोग्राम महुआ लाहन जब्त कर किया नष्ट



दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, धारण एवं विक्रय के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कलेक्टर रत्नाकर झा के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 21 सितम्बर 2026 को झीमर के वार्ड क्रमांक 13 में आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए दो स्थानों से करीब 3000 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया। जिला आबकारी अधिकारी खेमराज श्याम के मार्गदर्शन एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी सम्पतिया मरावी के नेतृत्व में आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा झीमर के वार्ड क्रमांक 13 में स्थित दो खंडहरनुमा मकानों की जांच की गई। जांच के दौरान एक स्थान से 90 प्लास्टिक डिब्बों तथा दूसरे स्थान से 110 प्लास्टिक डिब्बों में तैयार महुआ लाहन बरामद किया गया। दोनों स्थानों से जब्त महुआ लाहन की कुल मात्रा लगभग 3000 किलोग्राम तथा अनुमानित कीमत करीब 2 लाख 10 हजार रुपये है। जब्त महुआ लाहन का मौके पर ही विनष्टीकरण किया गया। प्रकरण में अज्ञात आरोपियों द्वारा अवैध रूप से महुआ लाहन तैयार किए जाने पर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(च) के प्रावधानों के अंतर्गत वैधानिक प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, धारण एवं विक्रय के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

कचरे के ढेर में लावारिस मिला नवजात का शव

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। एसईसीएल जमुना-कोतमा क्षेत्र की जमुना कॉलोनी स्थित कोऑपरेटिव बाजार में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब डॉक्टर मजूमदार क्लिनिक के सामने कचरे के ढेर में एक नवजात शिशु लावारिस हालत में पड़ा मिला। बताया जा रहा है कि नवजात मृत अवस्था में था। कचरे के ढेर में नवजात शिशु मिलने की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं। स्थानीय लोगों ने घटना की जांच कर नवजात को कचरे में फेंकने वाले व्यक्ति या संबंधित लोगों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की मांग की है।



संपादकीय

जो आयोग चाहे, वो वोटर

करीब 98 वर्षीय लालकृष्ण आडवाणी देश के उपप्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री रहे हैं। वह नई दिल्ली से लोकसभा सांसद भी चुने गए थे। उन्हें, बेटी प्रतिभा और बहू को मतदाता सूची में शामिल करने पर सवाल हैं, लिहाजा उन्हें चुनाव आयोग ने नोटिस भेजा है। देश के मौजूदा विदेश मंत्री एस. जयशंकर, उनकी जापानी पत्नी और विदेश सचिव विक्रम मिसरी को भी नोटिस भेजे गए हैं। दिल्ली की मौजूदा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और 10 साल तक मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल के मतदाता होने पर भी चुनाव आयोग को संदेह है। बहरहाल मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का मामला किसी तरह निपटा लिया गया है, लेकिन केजरीवाल, उनके 85 वर्षीय माता-पिता, उनकी आईआरएस रहीं और सरकारी पेंशनधारी पत्नी और बेटे के दिल्ली में मतदाता होने पर आयोग के सवाल हैं, लिहाजा उन्हें नोटिस के जवाब देने ही पड़ेंगे। देश के कानून मंत्री रहे, चांदनी चौक के पूर्व सांसद, मौजूदा राज्यसभा सांसद एवं सर्वोच्च अदालत के प्रख्यात अधिवक्ता कपिल सिब्बल के मतदाता होने पर आयोग को क्या आपत्तियां हैं, कमोबेश हमारी समझ के बाहर है। यहां तक कि मौजूदा चुनाव आयुक्त एसएस संधू, जो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता के समकक्ष ही हैं, को भी नोटिस भेजा गया है कि उनके नाम की स्पेलिंग (वर्तनी) 2002 के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाती, लिहाजा वह स्पष्ट करें। बेहद हास्यास्पद है कि सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद, थलसेना प्रमुख रहे जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, सर्वोच्च अदालत की न्यायाधीश रहीं जस्टिस रंजना देसाई, सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला आदि अति विशिष्ट चेहरों को भी चुनाव आयोग ने नोटिस भेजे हैं, तो आम मतदाता की कराहें, चीखें, गुहार कौन सुनेगा? कैग प्रमुख के. संजय मूर्ति के माता-पिता के नाम भी नहीं हैं। बेशक चुनाव आयोग द्वारा नोटिस भेजना एक सामान्य प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन हमारा पक्का यकीन है कि अंततः इन सभी नामों को दिल्ली की मतदाता-सूची में जोड़ा जाएगा। क्या चुनाव आयोग अपनी नालायकी पर माफी मांगेगा? दरअसल हमारा बुनियादी और गंभीर सवाल विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के प्रारूप पर है। यह अभियान चलाने वाले अधिकारियों की मेधा, सामान्य बुद्धि, पर भी तरस आता है। ज्ञानेश कुमार भी सामूहिक तौर पर खलनायक हैं। क्या संविधान के अनुच्छेद 324 और 325 में चुनाव आयोग को यही विशेष शक्तियां दी गई हैं कि मतदाता वही होगा, जिसे चुनाव आयोग चाहेगा? लेकिन अनुच्छेद 326 में यह प्रावधान भी है कि देश का प्रत्येक 18 वर्षीय वयस्क नागरिक अधिकृत मतदाता होगा। यह मताधिकार क्यों छीना जा रहा है? एसआईआर के तहत करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम अभी तक काटे जा चुके हैं। उनके अलग-अलग कारण हो सकते हैं। लोग दिवंगत भी हुए होंगे, तो नए मतदाता भी जुड़े होंगे! मताधिकार गंवाने वालों की यह कोई सामान्य संख्या नहीं है और एसआईआर अभी जारी है। यह सवाल लगातार अनुत्तरित क्यों है कि आयोग काटे गए नामों का खुलासा, वर्गीकरण समेत, सर्वोच्च अदालत को दे और वहां से देश को अवगत कराया जाए। ज्ञानेश कुमार गुप्ता संविधान के भी सुप्रीम नहीं हैं। संविधान के तहत ही उन्हें इस पद का दायित्व और विशेषाधिकार दिए गए हैं। दरअसल हमने जिन अति विशिष्ट चेहरों का उल्लेख किया है, उन्हें निर्वाचित भी घोषित किया जा चुका है और यह काम आयोग ने ही किया और ये लोग दशकों से मतदाता भी रहे हैं। आडवाणी और केजरीवाल के माता-पिता की जो उम्र है, उसके मुताबिक वे 60-70 साल से मतदान कर रहे होंगे, अचानक उस पर सवाल किए जा रहे हैं! क्या अब मतदाता की परिभाषा बदल गई है और वे 2002 की मतदाता-सूची के आधार पर ही तय किए जाएंगे? यह कोई ब्रह्म-ग्रंथ है क्या? यह पुनरीक्षण उसी आधार पर किया जाना चाहिए, जो मतदाता ने फॉर्म भरा है। मतदाता ही अपने बारे में ब्यौरा देने को स्वतंत्र और अधिकृत है। 2002 में कोई गलती रह गई होगी, तो उसके आधार पर आप किसी का मताधिकार छीन लेंगे? माता-पिता का नाम देने की स्वतंत्रता भी मतदाता की होनी चाहिए और उनका मिलान करना ही गलत है। यह अधिकार भी मतदाता का होना चाहिए। कोई मतदाता किसी काम से या व्यवसाय के कारण अथवा पारिवारिक कारणों से स्थानांतरित हो गया है, तो उसे फोन कर पुष्टि करनी चाहिए और फिर आयोग कोई अंतिम निर्णय ले। अराजकता खत्म होनी चाहिए। आयोग की इस प्रक्रिया के कारण आम आदमी ही नहीं, बल्कि खास लोगों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आयोग का कत्र्तव्य नागरिकों को सुविधाएं उपलब्ध करवाना है, न कि उन्हें परेशान करना।

विशेष स्कीम पर भारतवंशियों को भरोसा

वर्ष 2013 में भी जब देश विदेशी मुद्रा भंडार संकट से गुजर रहा था, भारतीय रिजर्व बैंक के लगभग इसी प्रकार की विशेष स्वैप स्कीम के माध्यम से मात्र 85 दिनों में ही 34.3 अरब डॉलर जुटाए थे, जिनमें 26 अरब डॉलर एफसीएनआर के माध्यम से आए थे। आठ जून से भारतीय रिजर्व बैंक ने एक विशेष स्वैप स्कीम की शुरूआत की और बैंकों को यह सुविधा दी कि इस स्कीम के तहत भारतवंशी यानी विदेश में भारतीय मूल के लोगों द्वारा भारतीय बैंकों में विदेशी मुद्रा जमा (3 वर्ष से 5 वर्ष की अवधि के लिए) को वर्तमान मूल्य से रिजर्व बैंक से स्वैप कर पाएंगे। यानी जिस मूल्य पर आज बैंक रिजर्व बैंक के पास जमा करेंगे, परिपक्व होने पर उसी मूल्य पर वे रिजर्व बैंक से विदेशी मुद्रा प्राप्त कर पाएंगे। इस स्कीम से प्रोत्साहित होकर बैंकों ने भारतवंशियों की जमाएं 6 से 7 प्रतिशत की ब्याज दर पर स्वीकार की, जिन पर पूर्व में केवल तीन से चार प्रतिशत ही ब्याज दिया जाता था। इसका कारण यह था कि रुपए में डॉलर के मूल्य बढ़? के जोखिम के लिए बैंकों को पहले हेजिंग करवानी पड़ती थी। हेजिंग की लागत समय-समय पर बदलती रही है, लेकिन वर्तमान समय में यह तीन प्रतिशत के आसपास है।



इन विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक खातों पर अधिक ब्याज और दूसरी ओर भारतीय अर्थव्यवस्था, सरकार और बैंकों पर भरोसा, इन सभी कारणों से भारतवंशियों ने मात्र 3 महीने से भी कम समय में 127.2 अरब डॉलर जमा कर इतिहास रचा है। गौरतलब है कि वर्ष 2013 में भी लगभग इसी प्रकार की स्कीम के अंतर्गत मात्र 34.3 अरब डॉलर एकत्र हुए थे, जिनमें 26 अरब डॉलर एफसीएनआर के रूप में प्राप्त हुए। 2013 में यह स्कीम 85 दिनों तक खुली रही थी और 2026 की स्कीम भी 85 दिन चली, लेकिन इन 85 दिनों में एफसीएनआर खातों में कुल जमा 127.2 अरब डॉलर प्राप्त हुए, जबकि कुल प्राप्तियां 136.4 अरब डॉलर की रही। यानी 2026 में 2013 की तुलना में लगभग 4.9 गुना ज्यादा।

हालांकि भारतीय रिजर्व बैंक की स्कीम इस बार काफी सफल रही और उसके परिणाम भी दिखने शुरू हो गए हैं। लेकिन आर्थिक जगत के कुछ लोगों द्वारा इस स्कीम की आलोचना भी की जा रही है। आलोचकों का कहना है कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों को हेजिंग लागत से मुक्त कर, वह भार स्वयं पर ले लिया है। जिसका खामियाजा रिजर्व बैंक को भविष्य में भुगतना पड़ेगा और जब ये जमाएं परिपक्व होंगी और डॉलर का मूल्य रुपयों में अधिक होगा तो नुकसान रिजर्व बैंक के लाभों को कम कर देगा। फलस्वरूप रिजर्व बैंक के लाभ कम होने से भारत सरकार की प्राप्तियां घट जाएंगी, जिससे बजट असंतुलन हो जाएगा। क्यों सही नहीं हैं आलोचकों के तर्क : लोकतंत्र में नीतियों पर बहस एक स्वस्थ परंपरा है, लेकिन आलोचकों के तर्कों की सत्यता की पड़ताल भी उतनी ही जरूरी है, ताकि नीतियों को सही दिशा दी जा सके। रिजर्व बैंक की विशेष स्वैप स्कीम के लाभों पर चर्चा भी जरूरी है। फिर यह देखना होगा कि भविष्य में रिजर्व बैंक को इससे जिस संभावित नुकसान की चिंता की जा रही है, उसकी तुलना में इस योजना से कितना लाभ देश को होगा। पूर्व में भी ऐसी स्कीम हुई थी सफल : वर्ष 2013 में भी जब देश विदेशी मुद्रा भंडार संकट से गुजर रहा था, भारतीय रिजर्व बैंक के लगभग इसी प्रकार की विशेष स्वैप स्कीम के माध्यम से मात्र 85 दिनों में ही 34.3 अरब डॉलर जुटाए थे, जिनमें 26 अरब डॉलर एफसीएनआर के माध्यम से आए थे। उस समय विदेशी विनिमय में भयंकर अनिश्चितता का माहौल था। इस स्कीम से पहले सामान्यतः करेंसी का जोखिम बैंकों को उठाना पड़ता था, इसलिए वे एफसीएनआर पर अत्यंत सीमित ब्याज दे पाते थे। 2013 की स्कीम के तहत रिजर्व बैंक ने बैंकों को यह गारंटी दी थी कि भविष्य में जब भी यह जमा 3 से 5 वर्ष के बीच परिपक्व होगी, रिजर्व बैंक उनसे 3.5 प्रतिशत वार्षिक ही वसूलेगा। इससे प्रोत्साहित होकर बैंकों ने ज्यादा ब्याज देकर एफसीएनआर जमाई बढ़ाने का प्रयास किया। वर्ष 2013-14 की अपनी वार्षिक रिपोर्ट में भारतीय रिजर्व बैंक ने यह स्वीकार किया था कि इस विशेष स्वैप स्कीम के तहत विदेशी मुद्रा भंडार बढ़? से रुपए को स्थिरता प्राप्त हुई। गौरतलब है कि वर्ष 2013 में सितंबर माह (जब यह स्कीम शुरू हुई थी) से पहले रुपए में तेजी से अवमूल्यन हो रहा था और अप्रैल 2013 से अगस्त तक रुपए का 16.2 प्रतिशत अवमूल्यन हो चुका था। लेकिन इस स्कीम और अन्य उपायों के फलस्वरूप विदेशी परिस्थितियों के बावजूद सितंबर 2013 से 31 मार्च 2014 के बीच रुपया 9.7 प्रतिशत मजबूत हुआ और हमारे विदेशी मुद्रा भंडार, जो अगस्त तक 275.5 अरब डालर था, जनवरी 2014 तक वो 292.1 अरब डालर तक पहुंच गया। समझना होगा कि 2013 की विशेष स्वैप स्कीम के कारण रुपए में मजबूती के फलस्वरूप भारत का पेट्रोलियम तेल और सोने की आयात लागत घटी। सरकारों और विदेशी ऋणों की अदायगी में लाभ हुआ, आयातित मुद्रास्फीति पर अंकुश लगा। विदेशों से पूंजी सस्ती हुई और चालू खाते पर दबाव घटा। इसलिए जो लोग रिजर्व बैंक द्वारा गारंटीशुदा कम स्वैप लागत की आलोचना कर रहे थे, उनके तर्क असत्य साबित हुए। और यदि रिजर्व बैंक द्वारा इस स्वैप स्कीम पर खर्च की तुलना, इस स्कीम के कारण देश पर आए विदेशी मुद्रा संकट से निजात, और देश को भारी लाभ से करें तो यह योजना लाभकारी ही मानी जाएगी। सबसे बड़ी बात तो यह थी कि भारतीय अर्थव्यवस्था, जिसे दुनिया की 5 सर्वाधिक कमजोर अर्थव्यवस्था में माना जा रहा था, उसे विदेशी मुद्रा संकट से बचाने में इस स्कीम की महती भूमिका रही।

वर्तमान विशेष स्वैप स्कीम और उसके फायदे : सर्वप्रथम, इससे रुपया मजबूती की ओर बढ़ रहा है। वर्तमान स्वैप स्कीम ऐसे समय में लाई गई जब विदेशी संस्थागत निवेश का लगातार बिकवाली कर सरकार द्वारा दबाव बना रहे थे कि उन्हें करों में रियायत दी जाए। सरकार को मजबूरी में कुछ रियायत देनी भी पड़ी थी। यही नहीं, युद्ध, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, तेल की बढ़ती कीमतों और अन्य वैश्विक कारणों से हमारा विदेशी व्यापार संतुलन बिगड़ रहा था, उस समय हमारा भारतीय रुपया लगातार कमजोर हो रहा था और वह 1 जनवरी 2026 में 89.50 रुपए प्रति डॉलर से कमजोर होते हुए 20 मार्च 2026 तक 96.96 रुपए प्रति डॉलर तक पहुंच चुका था। ऐसे में रुपए को स्थिरता से बचाने के लिए रिजर्व बैंक को भारी मात्रा में डॉलर बेचने पड़ रहे थे, जिनके कारण भारत में विदेशी मुद्रा भंडार का संकट मंडराने लगा था।

उन परिस्थितियों में रिजर्व बैंक ने विशेष स्वैप स्कीम के तहत 136.4 अरब डॉलर की प्राप्तियां, जिनमें 127.2 अरब डॉलर केवल एफसीएनआर बैंक जमा से मिले, डालरों के इस भारी अंतरप्रवाह के कारण, इस स्कीम के प्रारंभ से ही रुपया मजबूत होने लगा था। 5 सितंबर 2026 तक आते-आते यह 94.49 रुपए प्रति डॉलर तक पहुंच चुका था। मजबूत रुपए के स्वाभाविक लाभों के बारे में कोई संदेह नहीं है। दूसरे, ऐतिहासिक रूप से एफसीएनआर डिपॉजिट में एफपीआई निवेश की तरह उतार-चढ़ाव (वोलाटिलिटी) बहुत कम देखा जाता है। समझ से परे है कि जब आलोचकों को एफपीआई को ब्याज और कैपिटल गेन पर टैक्स छूट के रूप में लगातार फायदा देने में कोई दिक्कत नहीं होती, तो वे एफसीएनआर-बी को दी गई रियायतों को लेकर इतने चिंतित क्यों हैं? तीसरे, आरबीआई पर आने वाली लागत का मुद्दा है। आलोचक मान रहे हैं कि चूंकि आरबीआई की स्पेशल स्वैप व्यवस्था के तहत बैंकों को हेजिंग की लागत नहीं उठानी पड़ रही है, तो इसका मतलब है कि हेजिंग की लागत अब आरबीआई को उठानी पड़ेगी, जो असल में सही नहीं है। सच तो यह है कि ये डिपॉजिट विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) बढ़ाने में मदद करेंगे, जो आरबीआई के पास रहेगा, जिसे यदि अमरीकी फेडरल रिजर्व में जमा किया जाएगा तो उस पर 5 से 6 प्रतिशत ब्याज मिलेगा।

राशिफल

मेष राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक हो एवं फार्म योजना सुचारू रूप से चलेगा कार्य।

वृष राशि :- कार्य सम्पन्नता से संतोष, व्यावसायिक गति अनुकूल, योजना कार्य पूर्ण रहेगा।

मिथुन राशि :- विशेष कार्य स्थिगित रखें कुटुम्ब की चिन्तायें मन व्यग्र रखे तथा भय बने।

कर्क राशि :- प्रयत्न शीलता विफल हो परिश्रम करने पर भी कुछ फल नही मिलेगा कार्य बने।

सिंह राशि :- आरोप क्लेश व अशान्ति स्त्रीवर्ग से तनाव मानसिक बेचैनी संभव होगी।

कन्या राशि :- मानसिक बेचैनी संबंध यात्रा के प्रसंग बने, मित्रों के साथ यात्रा में होगी।

तुला राशि :- समय अनुकूल नही, विशेष कारी स्थिगित रखें, लेनदेन में हानि अवश्य होगा।

वृश्चिक राशि :- अर्थ लाभ, कार्य सिद्ध प्रयोजन, सफलता के साधन बनने के योग बनेगे।

धनु राशि :- समय को अनुकूलता से लाभविन्त होवेगा, दैनिक कार्य गति में सुधार हों।

मकर राशि :- भाग्य का सितारे प्रबल हो, बिगड़े कार्य बनेगे सफलता से हर्ष अवश्य होगा।

कुंभ राशि :- कुटुम्ब की समस्याएं और जटिल हो, कार्य को तुरन्त निपटा देवें।

मीन राशि :- प्रत्येक कार्यों में बाधा, विलम्ब किसी मित्र के द्वारा धोखा किया जा सकता है

भविष्य के लिए तैयार: एआई+ नोवा 2 पॉवर में दमदार परफॉर्मेंस के साथ मिलेगी आकर्षक डिजाइन



जबलपुर। नई दिल्ली में आयोजित एक फैशन शो में नोवा 2 पॉवर के ब्लू गोल्ड फ्यूजन और ब्लू फ्यूजन डुअल-टोन कलर वैरिएंट्स पेश किए गए। यह फोन गुरुवार, 24 सितंबर से फ्लिपकार्ट पर 15,999 रुपए की शुरूआती कीमत पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा मध्य प्रदेश, सितंबर, 2026: एआई+ स्मार्टफोन ने नोवा 2 सीरीज का नया स्मार्टफोन नोवा 2 पॉवर 5जी लॉन्च किया है। यह फोन नई पीढ़ी के यूजर्स के लिए तैयार किया गया है, जिसमें आकर्षक डिजाइन के साथ बेहतर परफॉर्मेंस और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी मिलती है। नोवा 2 पॉवर को पारंपरिक स्मार्टफोन लॉन्च से अलग अंदाज में नई दिल्ली में आयोजित एक फैशन शो के रैंप पर लॉन्च किया गया। इस दौरान, फोन को फैशन और टेक्नोलॉजी के मेल के साथ पेश किया गया और इसे रैंप पर पेश किए गए लुक्स का हिस्सा बनाया गया। इस तरह फोन को सिर्फ टेक डिवाइस नहीं, बल्कि स्टाइलिश एक्सेसरी के तौर पर भी पेश किया गया। डिजाइन टू इंस्पायर। पॉवर टू आउटलास्ट।ह्व के मूलमंत्र के साथ तैयार किया गया नोवा 2 पॉवर डिजाइन और परफॉर्मेंस को एक साथ लेकर चलता है। फोन में ऐसी डिजाइन दी गई है, जो यूजर्स को खूब आकर्षित करती है, वहीं इसकी परफॉर्मेंस और बैटरी पॉवर हर दिन की जरूरतों को पूरा करने में भरपूर साथ देती हैं। जहाँ टेक्नोलॉजी और फैशन साथ चले आज स्मार्टफोन लोगों की पसंद और पहचान का हिस्सा बन रहे हैं। इसी सोच के साथ नोवा 2 पॉवर को सिर्फ एक फोन तक सीमित नहीं रखा गया है। नई दिल्ली में हुए इसके रैंप प्रेजेंटेशन के जरिए एआई+ स्मार्टफोन ने डिजाइन, पसंद और टेक्नोलॉजी को एक साथ लाने के अपने विचार को उजागर किया। प्रमुख फीचर्स की बात करें, तो फोन में डुअल-टोन बैक पैनल दिया गया है, जो कलर फ्यूजन फिनिश में ब्लू गोल्ड फ्यूजन और ब्लू फ्यूजन के साथ ओशन ग्रीन, डीप पर्पल और मिडनाइट ब्लैक कलर में उपलब्ध है। रोशनी के हिसाब से हर कलर का लुक बदलता है, जिससे फोन को एक अलग और आकर्षक अंदाज मिलता है। रैंप के लिए नोवा 2 पॉवर को जस्ट बिली बाय रश्मि छाबड़ा के एथलीजर आउटफिट्स के साथ स्टाइल किया गया। इस दौरान, फोन को पूरे लुक का एक अहम् हिस्सा बनाकर पेश किया गया। एनएक्सटीक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजीस (एआई+ स्मार्टफोन) के सीईओ माधव सेठ ने कहा, ह्लआज टेक्नोलॉजी हमारी जिंदगी का हिस्सा है। स्मार्टफोन सिर्फ काम आने वाला डिवाइस नहीं, बल्कि अपनी पसंद और स्टाइल को जाहिर करने का एक तरीका भी है।

नया गांव के राजा के गूंजे जयकारे : श्री गणेश के अर्पित किए 56 भोग, हुई महाआरती



जबलपुर। नयागांव सोसायटी, रामपुर में स्थापित नयागांव के राजा श्री गणेश जी की बुधवार को महाआरती की गई। इसके पूर्व विघ्नहर्ता श्री गणेश जी को 56 भोग अर्पित किए गए। बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु मंगलमूर्ति के जयकारे लगाते रहे। बता दें कि यहां श्री गणेश बाल स्वरूप में विराजमान हैं। उनके साथ श्री महाकाल लोक भी स्थापना की गई हैं। गणेश उत्सव के दौरान प्रतिदिन महाआरती, षोडोपचार पूजन-अर्चन एवं गणेश अथर्व शीष का पाठ किया जाता है। सोसाइटी के विजय राठौर, सुरेंद्र राठौर,अमित राठौर, मोहित राठौर, विराज राठौर, श्रेयार्थ राठौर के साथ अन्य सदस्यों ने बताया कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु नयागांव के राजा के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। सोमवार को हुई दिव्य महाआरती में हजारों की संख्या श्रद्धालु उपस्थित रहे।

समीर अंजान ने सुनाया डेविड धवन का मजेदार रिएक्शन

भारत के जाने-माने ट्रेड एनालिस्ट कोमल नाहटा अपने पॉडकास्ट गेम चेंजर्सः द म्यूजिक सीरीज के नए सीजन के साथ वापस लौट आए हैं। इस सीरीज में मशहूर गायकों, संगीतकारों और संगीत की दुनिया से जुड़े दिग्गजों की रचनात्मक यात्राओं, उनकी प्रेरणाओं और उस संगीत के पीछे की अनकही कहानियों पर खास रोशनी डाली जा रही है, जिसने कई पीढ़ियों को प्रभावित किया है। लेटेस्ट एपिसोड में मशहूर गीतकार समीर अंजान बतौर मेहमान नजर आए। चार दशकों से अधिक लंबे रिकॉर्डतोड़ करियर और हजारों आइकॉनिक गानों का हिस्सा रहे समीर अंजान बॉलीवुड के सबसे सफल और prolific गीतकारों में से एक हैं। 90 और 2000 के दशक के कई बड़े चार्टबस्टर्स को अपनी कलम से सजाने वाले समीर ने अपने गीतों के जरिए भावनाओं और कमर्शियल अपील का बेहतरीन संतुलन कायम किया, जिसकी वजह से वह अलग-अलग पीढ़ियों के फिल्ममेकर्स के पसंदीदा गीतकार बने रहे हैं। बातचीत के दौरान सबसे मजेदार पलों में से एक वह था, जब समीर ने निर्देशक डेविड धवन के उस बेबाक रिएक्शन को याद किया, जो उन्होंने कुछ कुछ होता है के आइकॉनिक टाइटल ट्रैक के रिलीज होने के बाद दिया था। समीर ने हंसते हुए बताया, ह्लकुछ कुछ होता है का जो पहला गाना रिलीज हुआ था, वो तुम पास आए, यूं मुस्कुराए था। डेविड धवन ने वो गाना सुना। उन्होंने मुझे फोन करके कहा, बड़ा गंदा गाना लिखा है तूने, यार। मेरी पिक्चर में ऐसा गाना लिखना मत (हंसते हुए)! मैंने उनसे पूछा, तेरी पिक्चर का गाना है? तू क्यों परेशान हो रहा है? जाने दे ना। उन्होंने कहा, मेरी फिल्म के गाने भी रिलीज हुए हैं। उस फिल्म के म्यूजिक को खत्म नहीं कर दिया तो तू मुझे बता! गेम चेंजर्सः द म्यूजिक सीरीज के साथ कोमल नाहटा भारतीय सिनेमा से जुड़ी बातचीत को एक नए अंदाज में पेश कर रहे हैं। इस खास एपिसोड को गेम चेंजर्सः द म्यूजिक सीरीज= के यूट्यूब चैनल पर देखा जा सकता है।



जबलपुर में होम स्टे, फार्म स्टे एवं बेड एंड ब्रेकफास्ट योजना की कार्यशाला एवं पंजीयन शिविर संपन्न





जबलपुर। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड एवं होम स्टे ओनर्स वेलफेयर सोसाइटी, म.प्र. के संयुक्त तत्वाधान में आज होटल कल्चुरी रेसीडेंसी, सिविल लाइन, जबलपुर में संभाग स्तरीय होम स्टे, फार्म स्टे, ग्राम स्टे एवं बेड एंड ब्रेकफास्ट पंजीयन शिविर एवं कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में जबलपुर, कटनी, उमरिया, मंडला, डिंडोरी एवं नरसिंहपुर जिलों से आए 50 से अधिक होम स्टे / एयर बी एंड बी संचालकों ने भाग लिया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में टूरिज्म बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि म.प्र. शासन की होम स्टे योजना 2010 (संशोधित 2026) के तहत अपने घर के 1 से 8 कमरों को होम स्टेफार्म स्टे एवं बी एंड बी के रूप में पंजीकृत कर पर्यटक ठहरा सकते हैं। पंजीकृत इकाइयों को एयरबीएनबी, मेकमायट्रिप एवं एमपी टूरिज्म की वेबसाइट पर निःशुल्क लिस्टिंग, प्रशिक्षण एवं मार्केटिंग सहायता दी जाती है। शिविर में इकाई धारकों को मौके पर ही पंजीयन मार्गदर्शन किया गया एवं दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। सोसाइटी के अध्यक्ष ने बताया कि इस योजना से मध्य प्रदेश के अभी तक करीब 600 परिवार को लाभ मिल रहा है जिसमें अनेक आर्थिक लाभ विशेष प्रशिक्षण एवं ळ१५ी' ट१३, में इन इकाइयों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने पर आर्थिक सहयोग पर्यटन बोर्ड द्वारा प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप उप संचालक जनसंपर्क जबलपुर श्री एम एस उइके जिम्मेदार पर्यटन के जानकार श्री नवनीत माहेश्वरी से मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड से प्रबन्धक श्री प्रदीप दीक्षित, परियोजना सहायक श्री परमेंद्र रावत,होम स्टे ऑनर्स वेलफेयर सोसाइटी मध्य प्रदेश के अध्यक्ष श्री शरद दीक्षित, कोषाध्यक्ष श्री आशीष गुप्ता ,सदस्य सर्वश्री मनोज राय क्षितिज जायसवाल, अक्षय तिवारी,हर्ष मलैया,अनिल कुशवाहा,एवं जबलपुर डिंडोरी नरसिंहपुर कटनी इत्यादि स्थानों के संपत्ति धारकों ने योजना की जानकारी प्राप्त की।

सीसी रोड में दरारें, साइड शोल्डर अधूरे, निर्माण गुणवत्ता पर सवाल



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - जनपद पंचायत बरघाट अंतर्गत ग्राम पंचायत गोकलपुर में कराए गए सीसी रोड निर्माण की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य के दौरान ही जिम्मेदार अधिकारियों को शिकायत की गई थी, लेकिन शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया और काम को पूर्ण कर दिया गया। अब सड़क पर जगह-जगह क्रैक और ब्रेक दिखाई देने लगे हैं। ग्रामीणों के अनुसार सीसी रोड के दोनों ओर साइड शोल्डर की भराई नहीं कराई गई है। उनका कहना है कि कुछ समय पहले अधिकारी जांच के लिए मौके पर आए भी थे, लेकिन इसके बावजूद सड़क की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। ग्रामीणों ने तंज कसते हुए कहा कि पता नहीं अधिकारी किस नजरिए से निरीक्षण करके गए कि सड़क के किनारे अधूरे पड़े शोल्डर भी उन्हें दिखाई नहीं दिए। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि सड़क में निर्धारित स्थानों पर किए जाने वाले डामर भराव/जोड़ के कार्य में भी खानापूर्ति की गई है। कुछ स्थानों पर थोड़ी-बहुत सामग्री डालकर औपचारिकता पूरी की गई, लेकिन मौके पर देखने पर वह कार्य स्पष्ट रूप से नजर तक नहीं आता।

वाइब्रेटर से लेकर सीमेंट की गुणवत्ता तक पर सवाल

ग्रामीणों का आरोप है कि सीसी रोड निर्माण के दौरान वाइब्रेटर का पर्याप्त उपयोग नहीं किया गया। निर्माण में प्रयुक्त सामग्री की मात्रा और मिश्रण को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। उनका कहना है कि पानी की पर्याप्त सिंचाई नहीं की गई और निर्धारित गुणवत्ता वाली सीमेंट के उपयोग को लेकर भी संदेह है। ग्रामीणों के मुताबिक निर्माण के समय ही इन कमियों को लेकर शिकायत की गई थी, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने गंभीरता नहीं दिखाई। अब निर्माण पूरा होने के बाद सड़क पर दरारें सामने आने से ग्रामीणों ने पूरे मामले की तकनीकी जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि केवल औपचारिक जांच के बजाय मौके पर निष्पक्ष तकनीकी जांच, सीसी रोड की कोर कटिंग और गुणवत्ता परीक्षण कराया जाना चाहिए, ताकि निर्माण की वास्तविक स्थिति सामने आ सके। ग्रामीणों का सवाल है कि यदि जनपद स्तर पर केवल औपचारिक जांच कर मामले को समाप्त कर दिया गया और निर्माण की गुणवत्ता की वास्तविक जांच नहीं हुई तो टैक्सपेयर के पैसों से होने वाले निर्माण कार्यों में इसी तरह की लापरवाही और शासकीय राशि की बबार्दी का सिलसिला कब तक चलता रहेगा? ग्रामीणों ने जिला स्तर से निष्पक्ष जांच कर दोषियों की जिम्मेदारी तय करने तथा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।



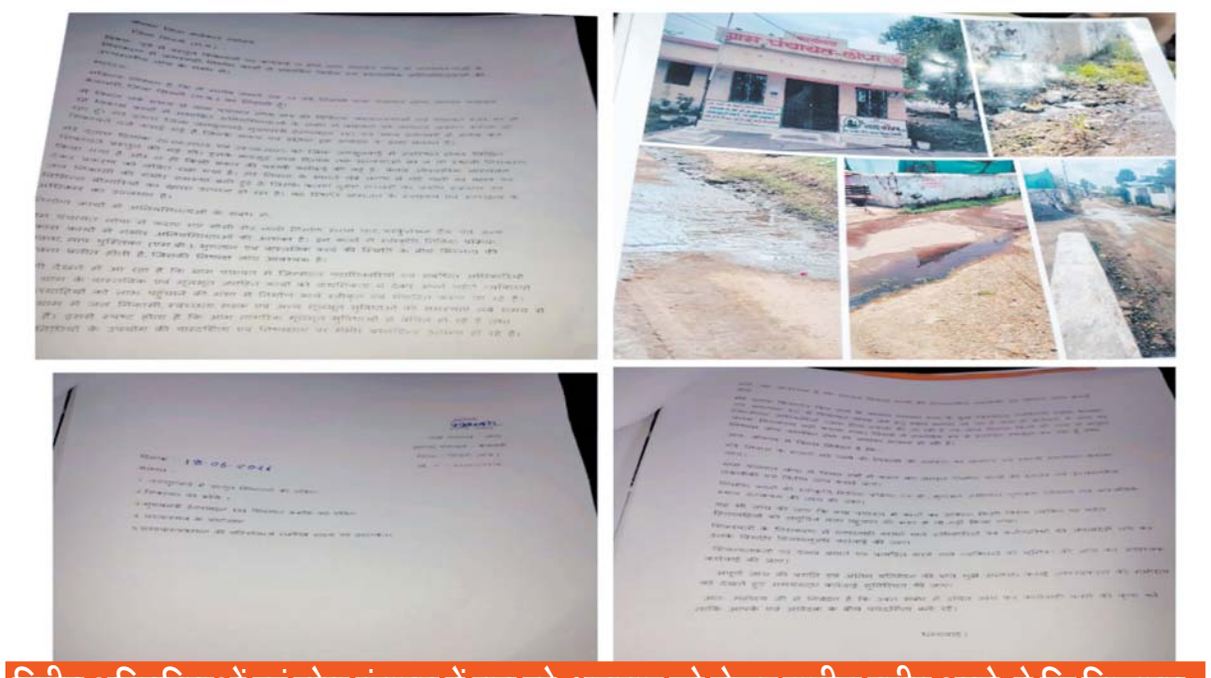
खापा बाजार व डोकररांजी क्षेत्र में खेतों का जायजा लेकर किसानों से ली नुकसान की जानकारी

तेज आंधी-हवा से मक्के की फसल बिछी, केवलारी विधायक ने किया निरीक्षण

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- जिले के खापा बाजार, डोकररांजी सहित आसपास के क्षेत्रों में तेज आंधी-हवा और बारिश के कारण खेतों में खड़ी मक्के की फसल को भारी नुकसान हुआ है। कई खेतों में तैयार हो रही मक्के की फसल पूरी तरह बिछ गई है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान की चिंता सताने लगी है। फसल नुकसान की जानकारी मिलने पर केवलारी विधायक ठाकुर रजनीश हरवंश ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर खेतों में पहुंचकर फसल की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित किसानों से मुलाकात कर फसल को हुए नुकसान की जानकारी ली। किसानों ने बताया कि तेज हवा के कारण खेतों में खड़ी मक्के की फसल जमीन पर गिर गई है, जिससे उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। विधायक ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र फसल सर्वे एवं नुकसान का उचित आकलन कराने की बात कही। साथ ही पात्र किसानों को नियमानुसार राहत एवं मुआवजा दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई कराने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में किसानों के साथ खड़े हैं और उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

शिकायत पर शिकायत, फिर भी नहीं हो पाया समाधान....

दो साल से जनसुनवाई के चक्कर काट रहा शिकायतकर्ता, समाधान अब भी दूर..



वित्तीय अनियमिताओं एवं लोपा पंचायत में चल रहे भ्रष्टाचार को लेकर ग्रामीण मनीष अम्रते ने कि शिकायत.

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - केवलारी दो साल से जनसुनवाई में गुहार लगा रहा फरियादी, लोपा पंचायत मामले में कार्रवाई पर उठे सवाल जहां एक और प्रदेश सरकार आमजन को बेहतर सुविधा एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ दिलाने की मंशा से निर्माण कार्य कर रही है।एंव विकास पूरा पहुंचे वहीं कुछ जिम्मेदार अपने और अपने चाहतों को लाभ दिलाने की मंशा से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को खोखला कर रहे हैं। ऐसे ही मामला सामने आया है केवलारी जनपद के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत लोपा का जो पूर्व में भ्रष्टाचार अनियमितताओं एवं अन्य दूसरे मामलों को लेकर अखबार एवं प्रशासन की सुर्खियों में विशेष तौर पर बनी हुई है। वही शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कार्रवाई न करना सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं हो रही है खोखला जमीनी हकीकत में तोड़ रही है दम कागजों में हो रहे हैं निर्माण कार्य पूरे आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए आयोजित होने वाली जनसुनवाई यदि लगातार शिकायतों के बाद भी किसी फरियादी को राहत नहीं दिला पाए, तो व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना लाजिमी है।शिकायतकर्ता मनीष अम्रते के मुताबिक वह पिछले करीब दो वर्षों से अपनी शिकायतों को लेकर अधिकारियों के कार्यालयों और जनसुनवाई में आवेदन दे रहे हैं। उनका कहना है कि कई बार शिकायत दर्ज कराने और अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के बावजूद उनकी समस्याओं का अब तक समाधान नहीं हुआ है।

आवेदन बढ़ते गए, समाधान नहीं मिला.....

शिकायतकर्ता का आरोप है कि प्रत्येक बार शिकायत के बाद कार्रवाई की उम्मीद बनी, लेकिन समस्या जस की तस बनी रही। लंबे समय से समाधान नहीं मिलने के कारण उन्हें दोबारा जनसुनवाई में पहुंचकर अपनी बात रखने को मजबूर होना पड़ रहा है।मामले ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि जब किसी शिकायतकर्ता की ओर से लगातार आवेदन दिए जा रहे हों, तो उन शिकायतों पर की गई कार्रवाई की निगरानी कौन कर रहा है और जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया क्या है ?पंचायत से जुड़े मामलों की जांच की मांग शिकायतकर्ता ने ग्राम पंचायत लोपा से जुड़े अपने आरोपों और शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराने तथा संबंधित दस्तावेजों और कार्रवाई की स्थिति सार्वजनिक किए जाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच किसी सक्षम अधिकारी से कराकर दोषी पाए जाने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।प्रशासन के जवाब का इंतजार फिलहाल शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों पर संबंधित अधिकारियों और ग्राम पंचायत की ओर से विस्तृत प्रतिक्रिया सामने आना बाकी है। इसलिए आरोपों की स्वतंत्र जांच और प्रशासनिक रिकॉर्ड के आधार पर ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। दो साल से समाधान की प्रतीक्षा कर रहे शिकायतकर्ता के मामले में अब निगाहें जिला प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। क्या शिकायतकर्ता को मिल पाएगा इंसाफ क्या जिम्मेदार अधिकारियों के ऊपर हो पाएगी करवाई।

इस संबंध में इनका कहना है कि....

मेरे द्वारा बिगत दो वर्षों से वित्तीय अनियमिताओं एवं अन्य मामलों को लेकर जिला कलेक्टर समेत अन्य सभी अधिकारियों को लिखित शिकायत देकर अवगत कराया जा रहा है एवं में दो साल से जनसुनवाई में अपनी समस्याओं को लेकर प्रस्तुत हो रहा हूं पर आज दिनांक तक मुझे किसी भी प्रकार का समाधान नहीं मिला कार्रवाई के नाम पर सिर्फ झूठा आश्वासन और झूठी आस जो सबसे बड़ा चिंता का विषय बना हुआ है ।मैं जल्द ही वक्त मामलों को लेकर न्यायालय की शरण लूंगा

शिकायतकर्ता मनीष अमृते समाजसेवी एवं ग्रामीण ग्राम पंचायत लोपा.....

महिलाओं-बालिकाओं के लिए 24 सितंबर को लगेगा ड्राइविंग लाइसेंस शिविर

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- मिशन शक्ति के अंतर्गत बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित और वैधानिक रूप से वाहन चलाने के लिए लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध कराने विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। वन स्टॉप सेंटर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित यह शिविर 24 सितंबर, गुरुवार को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक सुभाष चंद्र बोस कन्या महाविद्यालय, सिवनी में लगाया जाएगा। शिविर में पात्र बालिकाओं एवं महिलाओं के लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनाए जाएंगे। आवेदकों को अपने साथ आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नंबर तथा आयु प्रमाण-पत्र लाना आवश्यक होगा। विभाग ने महिलाओं एवं बालिकाओं से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर इसका लाभ लेने की अपील की है। साथ ही शिविर की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रचार-प्रसार किए जाने की बात कही गई है।



किसानों से मुलाकात कर नुकसान की जानकारी ली, हरसंभव सहयोग का दिया भरोसा

आंधी-तूफान से प्रभावित मक्का फसलों का विधायक ने किया मुआयना

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने मंगलवार को बंडोल मंडल के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर प्राकृतिक आपदा से प्रभावित मक्का फसलों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने खेतों में पहुंचकर फसलों को हुए नुकसान की जमीनी स्थिति देखी और प्रभावित किसानों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। विधायक ने ग्राम कुकलाह, पौंडी, बीसावाड़ी, कलारबांकी, जोगीवाड़ा, बजरवाड़ा, खमरिया एवं भाजीपानी पहुंचकर आंधी-तूफान एवं बारिश से प्रभावित मक्का फसलों का निरीक्षण किया। किसानों ने उन्हें फसल खराब होने से उत्पन्न स्थिति और संभावित आर्थिक नुकसान की जानकारी दी। विधायक दिनेश राय मुनमुन ने प्रभावित किसानों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में वे किसानों के साथ खड़े हैं। उन्होंने संबंधित स्तर पर फसल नुकसान की स्थिति की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रयास करने की बात कही। दौरे के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं भाजपा कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

महिलाओं के विरुद्ध अपराध एवं कानूनी अधिकारों पर दिया गया व्याख्यान

महिला थाना सिवनी द्वारा ग्लोबल लॉ कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी – पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी भा.पु.से. द्वारा महिलाओं के विरुद्ध घटित होने वाले अपराधों की रोकथाम एवं महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने हेतु समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं नगर पुलिस अधीक्षक चंचलेश मरकाम के मार्गदर्शन में ग्लोबल लॉ कॉलेज, सिवनी में महिला थाना प्रभारी निरीक्षक संदीपिका ठाकुर द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, महिलाओं को प्राप्त कानूनी अधिकारों एवं उनके विरुद्ध घटित अपराधों पर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम की मुख्य बातें:-

- महिला सशक्तिकरण का अर्थ है उसे शिक्षा, रोजगार, समान अवसर, अपनी पसंद एवं निर्णय लेने की स्वतंत्रता, संपत्ति और आर्थिक संसाधनों पर कानूनी अधिकार प्राप्त होना तथा सबसे महत्वपूर्ण उसकी आवाज सुनी जाना।
- विधि विद्यार्थियों की भूमिका पर चर्चा करते हुए बताया गया कि भविष्य में अधिवक्ता, न्यायिक अधिकारी, विधिक सलाहकार के रूप में आपके पास आने वाली कई महिलाओं को अपने अधिकारों का ज्ञान नहीं होता, वे पारिवारिक व सामाजिक दबाव एवं आर्थिक निर्भरता के कारण शिकायत करने से डरती हैं।
- इसलिए महिलाओं के अधिकारों की रक्षा हेतु तीन चीजें आवश्यक हैं - जागरूकता, पहुंच और प्रभावी कानूनी कार्रवाई।
- कानून का उद्देश्य तभी सार्थक होगा जब उसमें संवेदनशीलता और निष्पक्षता होगी। महिलाओं को अधिकारों की जानकारी के साथ-साथ अधिकारों का सम्मान दोनों आवश्यक है।

कार्यालयः- बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित कुडारी पं. क्र.-835

जिला-सिवनी (म.प्र.)

साधारण वार्षिक आमसभा की सूचना

समिति के कार्य क्षेत्र के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है, कि दिनांक 28/09/2026 दिन-सोमवार को 01.00 बजे से समिति कुडारी में साधारण वार्षिक आमसभा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आप सभी की उपस्थिति अनिवार्य है।

इसमें निम्न विषयों पर चर्चा की जावेंगी। कोरम के अभाव में बैठक आधा घण्टे के पश्चात पुन: उसी स्थान पर प्रारंभ होगी जिसमें कोरम पूर्ण होने को आवश्यकता नहीं होगी।

विषयः- निम्नानुसार सूचना पटल पर दर्शित है।

1. वर्ष 2025-26 में लिऐ गये बैकठ में संचालक मंडल एवं प्रशासक महोदय के निणयों पर अनुमोदन करने बावद् विचार।
2. समिति द्वारा अगामी वर्ष 2027-28 हेतू कार्य योजना का बजट तैयार करने बावद।
3. संपरीक्षा रिपोर्ट यदि प्राप्त हुई हो तो वार्षिक रिपोर्ट पर विचार बावद्।
4. समिति में नये सदस्यों की भर्ती के संबंध में विचार।
5. अन्य विषय प्रशासक महोदय की अनुमति से।

समिति प्रबंधक आ.जा. से.सह. समिति मर्या. कुडारी

कार्यालय बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित सालीवाडा पं.क्र.-1262

जिला-सिवनी (म.प्र.)

साधारण वार्षिक आमसभा की सूचना

समिति के कार्य क्षेत्र के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है. कि दिनांक 28/09/2026 दिन सोमवार को 4.30 बजे से समिति सालीवाडा में साधारण वार्षिक आमसभा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आप सभी की उपस्थिति अनिवार्य है।

इसमें निम्न विषयों पर चर्चा की जावेंगी कोरम के अभाव में बैठक आधा घण्टे के पश्चात पुन: उसी स्थान पर प्रारंभ होगी जिसमें कोरम पूर्ण होने की आवश्यकता नहीं होगी।

विषयः- निम्नानुसार सूचना पटल पर दर्शित है।

1. वर्ष 2025-26 में लिए गये बैकठ में संचालक मंडल एवं प्रशासक महोदय के निणयों पर अनुमोदन करने बावद् विचार।
2. समिति द्वारा अगामी वर्ष 2027-28 हेतू कार्य योजना का बजट तैयार करने बावद्।
3. संपरीक्षा रिपोर्ट यदि प्राप्त हुई हो तो वार्षिक रिपोर्ट पर विचार बावद्।
4. समिति में नये सदस्यों की भर्ती के संबंध में विचार।
5. अन्य विषय प्रशासक महोदय की अनुमति से।

समिति प्रबंधक आ.जा. सेवा सह. समिति मर्या. धनौरा

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित धनौरा पं. क्र.-148

जिला-सिवनी (म.प्र.)

साधारण वार्षिक आमसभा की सूचना

समिति के कार्य क्षेत्र के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है, कि दिनांक 28/09/2026 दिन सोमवार को 2.30 बजे से समिति धनौरा में साधारण वार्षिक आमसभा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आप सभी की उपस्थिति अनिवार्य है।

इसमें निम्न विषयों पर चर्चा की जायेंगी। कोरम के अभाव में बैठक आधा घण्टे के पश्चात पुन: उसी स्थान पर प्रारंभ होगी जिसमें कोरम पूर्ण होने की आवश्यकता नही होगी।

विषयः- निम्नानुसार सूचना पटल पर दर्शित है।

1. वर्ष 2025-26 में लिए गये बैकत में संचालक मंडल एवं प्रशासक महोदय के निणयों पर अनुमोदन करने बावद् विचार।
2. समिति द्वारा अगामी वर्ष 2027-28 हेतू कार्य योजना का बजट तैयार करने बावद्।
3. संपरीक्षा रिपोर्ट यदि प्राप्त हुई हो तो वार्षिक रिपोर्ट पर विचार बायद्।
4. समिति में नये सदस्यों की भर्ती के संबंध में विचार।
5. अन्य विषय प्रशासक महोदय की अनुमति से।

समिति प्रबंधक आ.जा. सेवा सह. समिति मर्या. धनौरा

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित सुनवारा पं.क्र. -1266

जिला-सिवनी (म.प्र.)

साधारण वार्षिक आमसभा की सूचना

समिति के कार्य क्षेत्र के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है, कि दिनांक 28/09/2026 दिन सोमवार को 01.00 बजे से समिति सुनवारा में साधारण वार्षिक आमसभा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आप सभी की उपस्थिति अनिवार्य है।इसमें निम्न विषयों पर चर्चा की जावेंगी। कोरम के अभाव में बैठक आधा घण्टे के पश्चात पुन: उसी स्थान पर प्रारंभ होगी जिसमें कोरम पूर्ण होने की आवश्यकता नही होगी।

विषयः- निम्नानुसार सूचना पटल पर दर्शित है।

1. वर्ष 2025-26 में लिए गये बैकठ में संचालक मंडल एवं प्रशासक महोदय के निणयों पर अनुमोदन करने बावद् विचार।
2 समिति द्वारा अगामी वर्ष 2027-28 हेतू कार्य योजना का बजट तैयार करने बावद्।
3. संपरीक्षा रिपोर्ट यदि प्राप्त हुई हो तो वार्षिक रिपोर्ट पर विचार बावद्।
4. समिति में नये सदस्यों की भर्ती के संबंध में विचार।
5. अन्य विषय प्रशासक महोदय की अनुमति से।

समिति प्रबंधक आ.जा. से. सह. समिति मर्या. कुडारी

भोपाल कलेक्ट्रेट में आयुष इंटर्न डॉक्टरों का प्रदर्शन

100 से ज्यादा डॉक्टर पहुंचे; बोले-हमें सिर्फ 9383 मिल रहे, 15 स्टेट में सबसे कम

भोपाल। एमबीबीएस इंटर्न डॉक्टरों के बाद अब आयुष इंटर्न डॉक्टरों ने अपने स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग उठाई है। 100 से ज्यादा इंटर्न डॉक्टर मंगलवार दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट पहुंचे और घेराव कर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रतिमाह 9383 रुपए का स्टाइपेंड दे रही है, जो देश के 15 राज्यों में सबसे कम है। कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट पर ही इंटर्न डॉक्टरों को रोका गया है। वहीं, बाहरी गेट को बंद कर दिया। यहां पुलिस बल तैनात किया गया है।



एमबीबीएस इंटर्न डॉक्टरों का 50% बढ़ा स्टाइपेंड : बता दें कि कुछ दिन पहले ही गांधी मेडिकल कॉलेज के इंटर्न डॉक्टरों का स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर भोपाल में तीन दिन तक आंदोलन चला। इस दौरान उन्होंने सड़कें जाम कर दी थी। इसके बाद सरकार ने इंटर्न डॉक्टरों का स्टाइपेंड 50% बढ़ाकर ?21,500 प्रतिमाह करने की मांग मान ली। प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज और वॉटर कैनन के इस्तेमाल के मामले में 2 पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच किया गया है। जांच के लिए टीम गठित करने के साथ घायल छात्रों के इलाज की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। इस मामले में अभी जांच चल रही है। इसी बीच मंगलवार को आयुष विभाग के इंटर्न डॉक्टरों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया

पश्चिम बंगाल में 33 हजार से ज्यादा : प्रदर्शन कर रहे इंटर्न डॉक्टरों का कहना है कि पश्चिम बंगाल में आयुष इंटर्न डॉक्टरों का स्टाइपेंड 33 हजार 99 रुपए प्रति माह है। ओडिशा में 30 हजार, तेलांगाना में 29 हजार 792 रुपए, बिहार में 27 हजार, आंध्रप्रदेश में 25 हजार 906 रुपए, केरल में 23 हजार, कर्नाटक में 22 हजार 500 रुपए, असम-महाराष्ट्र में 18 हजार, छत्तीसगढ़ में 15 हजार 900 रुपए, पंजाब-उत्तराखंड में 15 हजार रुपए है। राजस्थान में 14 हजार रुपए के स्टाइपेंड के साथ डीए भी दिया जाता है। वहीं, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में 10 हजार रुपए मिले हैं। मध्य प्रदेश में सिर्फ 9383 रुपए दिए जा रहे हैं। इसलिए यहां भी स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग उठाई है।

भोपाल के तरावली गांव में आबकारी विभाग का छापा

12 भट्टी, 30 से ज्यादा ड्रम-2 बॉयलर जब्त; 10-20 में पन्नी में बेचते थे शराब



भोपाल। भोपाल के तरावली गांव में मंगलवार सुबह पुलिस और आबकारी विभाग ने छापा मार कार्रवाई की। यहां से भारी मात्रा में कच्ची शराब जब्त की गई है। वहीं, 12 हाथ भट?टी, 2 बॉयलर, 30 से ज्यादा खाली-भरे ड्रम भी जब्त किए हैं। साथ ही अवैध शराब भी जब्ती में ली गई। सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र सिंह धाकड़ के निर्देशन में कंट्रोलर वर्षा उइके और टीम ने यह कार्रवाई की। तड़के से ही भारी अमला यहां पहुंची और कार्रवाई शुरू की। इससे इलाके में अवैध शराब का कारोबार करने वालों में हड़कंप मच गया। जंगल में अवैध शराब बनाई जा रही थी, जो गांव से दूर है। ताकि, किसी को भनक नहीं लगे। टीम यहां पहुंची और कार्रवाई शुरू की। करीब दो घंटे तक कार्रवाई चली।

पुलिस-आबकारी के 52 अधिकारी, 175 कर्मचारी मौजूद रहे : संयुक्त कार्रवाई में पुलिस और आबकारी विभाग के 52 अधिकारी और 175 कर्मचारी मौजूद रहे। कार्रवाई की भनक लगते ही डेरे में मौजूद लोग अपने घरों को छोड़कर मौके से फरार हो गए। दबिश के दौरान अलग-अलग डेरों में खुले एवं खाली पड़े घरों की तलाशी में कुल लगभग 275 लीटर अवैध हाथ भट्टी मदिरा एवं 15000 किलो ग्राम लाहन बरामद हुआ। तलाशी के दौरान जमीन के अंदर अवैध रूप से बनाई गई 12 भट्टियां भी पाई गईं, जिन्हें नष्ट किया गया। इनमें से 2 बॉयलर, जिनमें मदिरा तैयार की जाती थी, जब्त कर वैधानिक कार्रवाई की गई।

टीम में यह रहे मौजूद : कार्रवाई में एसडीओपी बैरसिया वैशाली करहेलिया, एसडीओपी दुर्जन सिंह बरकड़े, थाना प्रभारी बैरसिया रामबाबू चौधरी, थाना प्रभारी गुनगा रिंकू जाटव, निरीक्षक नरेंद्र यादव, आबकारी विभाग के बैरसिया वृत्त प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी सुरेंद्र देवांगन, उप निरीक्षक चंदर सिंह सहित भोपाल जिला आबकारी, राज्य स्तरीय उड़नदस्ता, संभागीय उड़नदस्ता के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

डोल ग्यारस पर भोपाल के राजा का जुलूस

नीम करोली बाबा और अहिल्याबाई के रूप में दिखे कलाकार, दिखाए करतब

भोपाल। भोपाल में मंगलवार को डोल ग्यारस पर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन जुलूस निकाला गया। पीपल चौक स्थित पीपल जामा मस्जिद के पास से शुरू हुए जुलूस में भोपाल के राजा और दूल्हे राजा की प्रतिमाओं के साथ विभिन्न समाजों के डोल शामिल हुए। जुलूस में कलाकार अलग-अलग धार्मिक और ऐतिहासिक पात्रों के रूप में भी नजर आए। इनमें नीम करोली बाबा और अहिल्याबाई होल्कर और महात्मा गांधी के रूप में तैयार कलाकार आकर्षण का केंद्र रहे। जुलूस में सबसे आगे भोपाल के राजा की प्रतिमा रही। इसके बाद विभिन्न समाजों के डोल और अन्य झांकियां शामिल हुई। जुलूस शहर के पुराने हिस्से से होते हुए खटलापुरा मंदिर पहुंचेगा। यहां शाम करीब 7:30 बजे जुलूस का समापन होगा।

इन रास्तों से होकर निकला जुलूस : जुलूस चौक बाजार से लखेरापुरा, भवानी मंदिर, पीरगेट, सेफिया कॉलेज रोड, इमामबाड़ा चौकी, जनकपुरी पानी की टंकी, जुमेराती गेट, सराफा चौक, इब्राहिमपुरा, रंजन पेन कॉर्नर, सुल्तानिया रोड, बुधवारा, तलैया काली मंदिर, लिली टॉकीज चौराहा और पीएचक्यू तिराहा होते हुए खटलापुरा मंदिर पहुंचेगा।

जुलूस के दौरान बदली ट्रैफिक व्यवस्था : डोल ग्यारस जुलूस को देखते हुए पुराने शहर में दोपहर 1 बजे से जुलूस खत्म होने तक ट्रैफिक व्यवस्था चरणबद्ध तरीके से बदली जाएगी। जुलूस जिस हिस्से से गुजरेगा, वहां जरूरत के अनुसार वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया जाएगा। वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जाएगा। खास तौर पर पीरगेट, इमामबाड़ा चौकी, जनकपुरी, सुल्तानिया रोड, खटलापुरा और तलैया काली मंदिर के आसपास ट्रैफिक प्रभावित रहेगा। पुराने शहर और रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले लोगों को अतिरिक्त समय लेकर निकलने की सलाह दी गई है।

हनुमान मंदिर की 65 साल पुरानी परंपरा रोकने का आरोप

समिति के सदस्यों ने पुजारी को हटाने की मांग को लेकर ज्ञापन दिया



रायसेन। रायसेन के वार्ड नंबर-4 स्थित प्राचीन रामपुर हनुमान मंदिर में वीर हनुमान का मुखौटा उठाने से पहले होने वाली करीब 40 दिन की साधना और अभ्यास को रोकने के आरोप पर विवाद बढ़ गया है। मंगलवार को ह्यजय महावीर तेरी जय रघुवीरह्न समिति के सैकड़ों सदस्य कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के नाम डिप्टी कलेक्टर रोहित लोधी को ज्ञापन सौंपकर मंदिर के पुजारी भोले स्वरूप महाराज को हटाने की मांग की।

40 दिन तक साधना और अभ्यास की परंपरा : समिति के सदस्यों का आरोप है कि मंदिर के पुजारी भोले स्वरूप महाराज करीब 65 साल पुरानी परंपरा में अड़चन डाल रहे हैं। समिति के अनुसार, वीर हनुमान का मुखौटा उठाने वाले साधक रामपुर मंदिर में करीब 40 दिन तक ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं। इस दौरान साधक सुबह 4 बजे उठकर व्यायाम, साधना और पूजा-अर्चना करते हैं। समिति का आरोप है कि इसी प्रक्रिया को रोकने की कोशिश की जा रही है। समिति ने पुजारी भोले स्वरूप महाराज को मंदिर से हटाने की मांग की है। सदस्यों ने कहा कि वीर हनुमान का मुखौटा उठाने से पहले होने वाली साधना और अभ्यास की परंपरा वर्षों से चली आ रही है और इसमें किसी तरह की दखलंदाजी स्वीकार नहीं की जाएगी।

परंपरा में दखल जारी रहा तो मुखौटा नहीं उठाने की चेतावनी : समिति के सदस्यों ने कहा कि यदि परंपरा में दखलंदाजी जारी रही और पुजारी को मंदिर से नहीं हटाया गया, तो इस साल दशहरा और रामलीला मेले के समापन पर वीर हनुमान का मुखौटा नहीं उठाया जाएगा।

स्लीमनाबाद टनल का काम पूर्णता की ओर, शीघ्र ही रीवा जिले के खेतों को मिलेगा नर्मदा जल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खेती-किसानी विशेषकर उद्यानिकी और प्राकृतिक खेती में रीवा का जवाब नहीं। उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत और लगन से यहां धान, गेहूं, चना, मसूर, अलसी और सोयाबीन का भरपूर उत्पादन हुआ है। इससे रीवा जिले की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से रीवा जिले में हुए बलराम कृषि महोत्सव में किसानों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से कहा कि स्लीमनाबाद टनल का काम तेजी से पूरा होने की ओर है। इस टनल के पूरा होते ही रीवा जिले के खेतों तक नर्मदाजी का पावन जल पहुंचेगा। इससे क्षेत्र में सिंचाई और पेयजल की सुविधा बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि रीवावासियों को त्योंथर, लोंही, सिरमौर और सेमरिया की सिंचाई परियोजनाएं पूरी होने पर करीब एक लाख 32 हजार हैक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों को बताया कि जिनके पास भूमि के पट्टे हैं परंतु रजिस्ट्री नहीं है, ऐसे सभी पट्टेधारकों को राज्य सरकार रजिस्ट्री कराकर निःशुल्क प्रदाय करेगी। ऐसे 50 लाख पट्टों की रजिस्ट्री का शुल्क (करीब 4 हजार करोड़ रुपए) राज्य सरकार वहन करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले के जनप्रतिनिधियों और 4 प्रगतिशील किसानों से आत्मीय संवाद कर उनके द्वारा परम्परागत खेती से अलावा वर्तमान में की जा रही नवाचारी खेती के बाद तब और अब के अनुभवों की जानकारी ली। किसानों ने बताया कि उन्नत कृषि यंत्रों से तकनीकी खेती करने और जैविक खाद के इस्तेमाल से प्राकृतिक खेती करने में ज्यादा फायदा होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले भर से आए किसानों से प्राकृतिक खेती, उद्यानिकी, श्रीअन्न, पशुपालन और फसल विविधीकरण अपनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए



रीवा जिले में एक हजार हैक्टेयर क्षेत्र को नैचुरल फार्मिंग क्लस्टर के रूप में विकसित किया जा रहा है। बसामन मामा गो-अभयारण्य हमारे गौ-संवर्धन और ग्रामीण स्वावलंबन का एक बड़ा केन्द्र है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौशाला में संचालित 'प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण केन्द्र' से यहां के सभी किसान भाइयों को जीवामृत, घन जीवामृत और प्राकृतिक खेती की आधुनिक तकनीकें सीखने और अपनाने में बड़ी मदद मिल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परम्परागत खेती से आगे बढ़कर रीवा के किसान उद्यानिकी और प्राकृतिक खेती में नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रीवा में अमरूद, आंवला और कटहल का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है, जो यहां की कृषि विविधता को दशार्ता है। रीवा श्रीअन्न उत्पादन में भी आगे बढ़ रहा है। खेती में विविधता लाने के लिए राज्य मिलेट मिशन अन्तर्गत कोदो-कुटकी जैसे मोटे अनाज की फसलों का विस्तार किया जा रहा है। श्रीअन्न की खेती किसानों की आमदनी बढ़ाने के साथ-साथ हमारे परिवारों की पोषण सुरक्षा को भी सुदृढ़ करती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी किसानों को तेजा दशमी, डोल ग्यारस और गणेशोत्सव की शुभकामनाएं भी दीं।

टेलीकॉम मेन्यूफैक्चरिंग जोन ग्वालियर में निवेश के लिए दक्षिण भारत से लेंगे सहयोग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईटी, डीपटेक और टेक्नोलॉजी सहित सभी क्षेत्रों में युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए संकल्पित है। राज्य में टेलीकॉम सेक्टर में भी औद्योगिक गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। ग्वालियर में टेलीकॉम मेन्यूफैक्चरिंग जोन स्थापित करना केंद्र और राज्य सरकार की प्राथमिकता है। दक्षिण भारत के निवेशकों का सहयोग प्राप्त करने की पहल की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक निजी प्रतिष्ठान में मीडिया से चर्चा करते हुए यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि टीएमजेड में निवेश और इस जोन की खूबियों को बताने के लिए पहले नई दिल्ली और मुंबई में इन्वेस्टमेंट टू रोड शो का आयोजन किया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निवेशकों को आकर्षित करने के लिए तीसरा कार्यक्रम मंगलवार को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में आयोजित किया जा रहा है। बेंगलुरु में निवेशकों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया है। अन्य क्षेत्रों में निवेश में भी दक्षिण भारत के उद्यामियों का सहयोग प्राप्त हुआ है। टीएमजेड के लिए भी निश्चित ही सहयोग प्राप्त होगा।

प्रदेश के नगरों के निकट उद्योगों का विस्तार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब तक टीएमजेड में निवेश को लेकर बेहतर रिस्पांस मिला है। ग्वालियर-चंबल अंचल औद्योगिक क्षेत्र विस्तार के लिए सबसे अनुकूल है। राज्य सरकार द्वारा इंदौर, उज्जैन, भोपाल और उसके बाद जबलपुर के आसपास भी उद्योग-व्यापार को प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश में छोटे-बड़े सभी शहरों में भारी उद्योग, लघु उद्योग, एमएसएमई और लघु-कुटीर उद्योगों से प्रदेशवासियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार गरीब, युवा, किसान और नारी सभी वर्गों के कल्याण के लिए काम कर रही है। आज मध्यप्रदेश देश में सबसे अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने वाला राज्य है। मध्यप्रदेश ने तेज गति से बेरोजगारी दर को नियंत्रित किया है।

अटल जी का जीवन है लोकतांत्रिक मूल्यों के लिये प्रतिबद्धता का उदाहरण: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अटल जी के विचारों, राष्ट्रवाद और सुशासन के मॉडल को अपनाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि : अटल जी ने सत्ता और विपक्ष, दोनों की राजनीतिक मयार्दाओं का दिया मार्गदर्शन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के महान पुरोधा थे। उन्होंने देश को विकास और सुशासन की नई दिशा दिखाई। स्व. अटल जी भारतीय राजनीति और राष्ट्रजीवन का गौरव हैं। उनका जीवन लोकतांत्रिक मूल्यों के लिये प्रतिबद्धता का उदाहरण है। उनके विचार युगों तक हम सबको सदैव प्रेरणा देते रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धेय अटल जी का जीवन हम सभी के लिए मार्गदर्शक प्रकाशपुंज है। वे शुचिता और विनम्रता की प्रतिमूर्ति थे। उनके राष्ट्रवाद और सुशासन के आदर्शों को अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को गोविंदपुरा औद्योगिक प्रक्षेत्र स्थित निजी प्रतिष्ठान के परिसर में भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस निजी प्रतिष्ठान के मोनो का भी लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. श्री अटल जी का सम्पूर्ण जीवन देशसेवा और जनसेवा को समर्पित रहा। उनके व्यक्तित्व में लोककल्याण और राजनीतिक शुचिता ही सदैव अटल रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीति में शुचिता, विचारों में दृढ़ता और व्यवहार में सौम्यता, इन तीन महान गुणों का संगम अटल जी के व्यक्तित्व की पहचान थी। उन्होंने कहा कि अटल जी ने सत्ता और विपक्ष, दोनों में लोकतांत्रिक मयार्दाओं का उदाहरण प्रस्तुत किया। उनकी यह सीख आज भी प्रासंगिक है कि सत्ता आती-जाती रहती है, सरकारें बदलती रहती हैं, लेकिन देश और लोकतंत्र बने रहना चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के दिखाए रास्ते, उनके राष्ट्रवाद और सुशासन के मॉडल को अपनाना



ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। आज जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है, तब अटल जी के विचारों और आदर्शों को आत्मसात करना सभी का दायित्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. अटल जी ने हमें यह सिखाया कि सत्ता में रहते हुए किस प्रकार का आचरण होना चाहिए और विपक्ष में रहते हुए राजनीतिक मयार्दाओं का पालन कैसे किया जाता है। अटल जी ने विपक्ष में रहते हुए सबसे लम्बे समय तक विपक्ष के नेता का दायित्व निभाया। आपातकाल के दौर में जब लोकतंत्र पर कुठाराघात हुआ, तो उन्होंने करीब 19 माह तक जेल में बिताए थे। भारतीय राजनीति का इतिहास रहा है कि जब राष्ट्र पर संकट आता है, तो हम भारतीय दलों की सीमाएं भूल कर एक संकल्प के साथ खड़े हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के कार्यकाल में जब बांग्लादेश युद्ध चल रहा था, तो श्रद्धेय अटल जी ने खुले दिल से प्रधानमंत्री और सरकार का समर्थन किया था।

सत्ता तो आती-जाती रहती है, देश और लोकतंत्र बने रहना चाहिए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अटलजी के संसदीय जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने संसद में खड़े होकर कहा था कि सत्ता तो आती-जाती रहती है और सरकारें भी बदलती रहती हैं, लेकिन देश बना रहना चाहिए, देश का लोकतंत्र कायम रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इसे भारत के लोकतंत्र की गरिमा और अटल जी के महान व्यक्तित्व का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को यह जानना चाहिए कि हमारे बीच ऐसे अटल जी रहे हैं, जिन्होंने सरकार के नेता के साथ विपक्ष के नेता की भूमिका और उसके दायित्वों का भी आदर्श प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निजी प्रतिष्ठान के स्वामी श्री त्रिलोकी अग्रवाल का आभार व्यक्त कर कहा कि उन्होंने अपने निजी प्रतिष्ठान में अटल जी की प्रतिमा लगाकर समाज को उनके प्रेरणादायी जीवन से जोड़ने का पुनीत कार्य किया है। कार्यकम में मौजूद पूर्व राज्यपाल श्री कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के मुख्य सेवक हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी भी स्वयं को देश का प्रधान सेवक ही मानते हैं। उन्होंने सेवा संकल्प अभियान में जनकल्याण का संकल्प लिया है। प्रजा की भलाई के बिना जनसेवा नहीं हो सकती है। जनसेवा से सुशासन स्थापित होता है। आज यहां अटल जी की प्रतिमा नहीं, एक प्रेरणा पुंज का अनावरण हुआ है। उन्होंने कहा कि देश को एक सूत्र में पिरोने के साथ सभी को देश के प्रति अपने कर्त्तव्यपालन पर ध्यान देना होगा। अटलजी के लिए राष्ट्र हमेशा सर्वोपरि रहा। वे देश को जोड़ने के लिए 'स्वर्णिम चतुर्भुज राजमार्ग योजना' लेकर आए। उन्होंने देश के गांव-गांव को पक्की सड़कों से जोड़ा। सूखे की समस्या समाप्त करने के लिए उन्होंने देश की नदियों को आपस में जोड़ने का विचार दिया। स्व. श्री अटलजी के लिए भारत एक जीता-जागता राष्ट्रपुरुष था। श्री सोलंकी ने कहा कि आज भारत की जीडीपी विकास दर 7.8 प्रतिशत की गति से आगे बढ़ रही है। यह दुनिया में चीन और अमेरिका से भी अधिक है। कार्यक्रम में मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी के अध्यक्ष श्री अशोक कड़ेल, पूर्व विधायक श्री शिशुपाल सिंह यादव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम आयुक्त श्री कुमार पुरूषोत्तम, निजी प्रतिष्ठान के श्री अजय कुमार सोनी सहित बड़ी संख्या नागरिकगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निजी प्रतिष्ठान परिसर में स्थापित डिजीटल प्रिंटिंग मशीनों का अवलोकन भी किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत चित्रकला, भाषण एवं प्रदर्शनी आयोजित

जनप्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा का किया उत्साहवर्धन : विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित





दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए चित्रकला, भाषण, पोस्टर प्रदर्शनी एवं पुरस्कार वितरण सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों का अवलोकन कर उनका उत्साहवर्धन किया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चांवरपाठा में आयोजित चित्र प्रदर्शनी का सोमवार को अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत चित्रों एवं रचनात्मक अभिव्यक्तियों की सराहना की तथा प्रतियोगिता में सहभागी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। चित्र प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मक प्रतिभा के माध्यम से देश के उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर प्रस्तुत की। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों में विकसित, आत्मनिर्भर एवं सशक्त भारत की परिकल्पना को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया गया।

चित्रकला, भाषण और प्रदर्शनी का आयोजन

अभियान के तहत विधायक गोटेगांव महेन्द्र नागेश और पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल की मौजूदगी में सांदीपनि विद्यालय गोटेगांव में चित्रकला, भाषण और प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूर्व राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि खेल और युवा ही देश की असली ताकत हैं। बच्चों को खेल के साथ-साथ संस्कार और शिक्षा पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बच्चों को नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नशा मुक्त भारत के आह्वान को पूरा करने के लिए दारू, खैनी, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट जैसी चीजों से दूर रहना होगा। मोबाइल के अधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता जताई और बच्चों को मोबाइल का सीमित और सही उपयोग पढ़ाई के लिए करने की सलाह दी। इस अवसर पर पूर्व विधायक हाकम सिंह चढ़ार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी और नागरिक मौजूद थे।

प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरित : अभियान के तहत जिले के सांदीपनि विद्यालय नरसिंहपुर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित ह्यमेरे सपनों का भारतह्न राष्ट्रीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम में अमितेंद्र नारोलिया, मनमोहन सलूजा, प्राचार्य प्रभात मिश्रा सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रियंका मेहरा, द्वितीय कृतिका सिलावट एवं तृतीय सिद्धि नेमा ने प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम रिचा गोस्वामी, द्वितीय रिहान अली एवं तृतीय स्तुति तिवारी रहे। सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

युवा और विद्यार्थी निभाएंगे महत्वपूर्ण भूमिका : इस अवसर पर विधायक श्री पटेल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यविकसित भारत/2047ह्न के संकल्प को साकार करने में युवा और विद्यार्थी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सपनों और विचारों में ही विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव दिखाई देती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को निरंतर निखारने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी एवं अन्य संबंधितजन उपस्थित रहे।

तारा गांव में जेके सीमेंट का निःशुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर, 200 से अधिक मवेशियों का उपचार



पशुधन की सुरक्षा और ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में सराहनीय पहल

रेवांचल टाइम्स संवाददाता उमाकांत त्रिपाठी पवई। ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों की आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पशुधन की सुरक्षा एवं संवर्धन के लिए जेके सीमेंट एवं जेके ट्रस्ट द्वारा तारा गांव में निःशुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 200 से अधिक छोटे-बड़े पशुओं की स्वास्थ्य जांच कर उपचार एवं आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। शिविर का आयोजन जेके सीमेंट के यूनिट हेड, एचआर हेड एवं जेके ट्रस्ट के स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजर के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान पशु चिकित्सक डॉ. अभिषेक करवरिया एवं उनकी टीम ने पशुओं की जांच कर उपचार किया। शिविर में 130 पशुओं को किलनी एवं कृमिनाशक दवाइयां दी गईं, जबकि 45 बांझ पशुओं की विशेष जांच एवं उपचार किया गया। इसके अलावा 56 नवजात बछड़ों को डी-वर्मिंग की दवा पिलाई गई। मौसमी बीमारियों एवं चोटिल पशुओं को मौके पर प्राथमिक उपचार भी उपलब्ध कराया गया। जेके सीमेंट एवं जेके ट्रस्ट द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में समय-समय पर ऐसे निःशुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते हैं, जिससे किसानों और पशुपालकों को अपने पशुओं के उपचार के लिए दूर नहीं जाना पड़े। शिविर में तारा गांव सहित आसपास के ग्रामीणों ने सहभागिता की। निःशुल्क जांच, उपचार और दवाइयां मिलने पर ग्रामीणों ने जेके सीमेंट एवं जेके ट्रस्ट की इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिला स्तरीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन



दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। सरस्वती शिक्षा परिषद जबलपुर की कार्य योजना अनुसार साईखेड़ा में आयोजित जिला स्तरीय संस्कृति महोत्सव, गणित, विज्ञान मेला में सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर का सराहनीय प्रदर्शन रहा। शिशु वर्ग एकल भजन तथा चित्रकला प्रतियोगिता में पायल चैधरी परी मेहरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया बाल वर्ग चित्रकला, रंगोली ,शास्त्रीय गायन में आनंद अग्रवाल, अवनी मल्हेटे व हर्षिता श्रीवास्तव ने प्रथम स्थान व्यक्तिगत गीत में तान्या छीपा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया किशोर वर्ग रंगोली प्रतियोगिता, एकल भजन, शास्त्रीय गायन में जिया महोबिया, कृपा छीपा, हिमांशु श्रीवास्तव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा व्यक्तिगत गीत में आलिया खान ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया बाल वर्ग वैदिक गणित प्रश्न मंच में शुभ गुप्ता ,आदित्य जावरे, आदर्श प्रजापति ने विजेता का स्थान प्राप्त किया किशोर वर्ग विज्ञान प्रश्न मंच में हर्ष पटेल, दिव्यांश लोधी, नीकेश लोधी के दल ने उपविजेता का स्थान प्राप्त किया नवाचार पर आधारित सर्वोत्कृष्ट विज्ञान प्रदर्श के लिए किशोर वर्ग से कुश राय तथा शिशु वर्ग से जन्नत वी को प्रथम स्थान तथा बाल वर्ग से अनुज चैरसिया को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ विद्यार्थियों की सफलता पर विद्यालय प्रबंधन समिति, संस्था प्राचार्य हरि ओम शरण कोरी, प्रभारी प्रधानाचार्य तुलसीराम पाराशर राजेंद्र पटेल एवं आचार्य परिवार ने शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की प्रार्थना सभा में विजित प्रतिभागियों को संस्था प्राचार्य, प्रधानाचार्य द्वारा मेडल व विजेता कप प्रदान कर सम्मानित किया गया।

8 हजार की रिश्वत लेते हुए सहकारिता कर्मी गिरफ्तार, लोकायुक्त की कार्रवाई



दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस लोकायुक्त की टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए सहकारिता निरीक्षक को 8 हजार रूपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों धर दबोचा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहकारिता निरीक्षक राजेन्द्र सिंह द्वारा वर्ष 2025 - 26 के आडिट के लिए प्रभारी समीति प्रबंधक बरहटा में पदस्थ अशोक पटेल से आडिट के लिए बीस हजार रूपए की राशि मांगी गई थी शिकायतकर्ता ने पहले दस हजार रूपए दे दिए दोबारा राशि की मांग किए जाने पर पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त जबलपुर में शिकायत की गई। शिकायत के सत्यापन में चैपाटी के पास स्थित कार्यालय में लोकायुक्त की टीम ने जाल बिछाकर अमित श्रीवास्तव को आठ हजार रूपए लेते हुए पकड़ा गया। जिसमें बताया गया कि उक्त राशि सहकारिता निरीक्षक राजेन्द्र सिंह के कहने पर ली गई।

शिवाजी काली मंडल की बैठक संपन्न



दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। नवरात्रि पर्व को लेकर शिवाजी काली मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक वेद बाबू परिसर में संपन्न हुई मां दुर्गा की स्थापना 11 अक्टूबर से प्रारंभ होने जा रही है दुर्गा पंडाल की व्यवस्थाओं को लेकर बैठक हुई एवं मंडल के सदस्यों को जिम्मेदारी से अवगत कराया इस अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष रामदास ठाकुर मंडल के प्रभारी सुदर्शन वेद मुन्नालाल रजक संतोष प्रजापति राकेश रजक सुनील प्रजापति रघुराव मराठा विजय प्रजापति देवेंद्र प्रजापति तुलसी प्रजापति चंदन प्रजापति दयाराम कहार कमलेश प्रजापति बबलू कुरील गुलाब प्रजापति धनराज प्रजापति चुन्नी प्रजापति शिवाजी काली मंडल के सदस्य उपस्थित रहे।

ग्राम हनुमतपुर पहुंचकर राशि वितरण के लिए शुरू किया सर्वे

टीम ने ग्रामीणों से संवाद कर समस्याएं भी सुनी



दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। मझगांय मध्यम सिंचाई परियोजना अंतर्गत राजस्व और जल संसाधन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम हनुमतपुर में पुनर्वास पैकेज की अतिरिक्त राशि के वितरण के लिए सर्वे शुरू कर दिया गया है। आज एसडीएम आलोक मार्को के नेतृत्व में टीम गांव पहुंची और ग्रामीणों से संवाद कर समस्याएं भी सुनी। सर्वे के जरिए पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन कर वांछित जानकारी जुटाई जाएगी। गत दिवस कमिश्नर सागर संभाग द्वारा भी बैठक लेकर पुनर्वास पैकेज की अतिरिक्त राशि वितरण व पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए थे, जिसके तहत टीम द्वारा अतिरिक्त राशि वितरण प्रक्रिया को सुचारू रूप से क्रियान्वित करने के उद्देश्य से जरूरी कार्यवाही की जा रही है। इस दौरान ग्रामीणजनों द्वारा दल के समक्ष अपनी समस्याओं सहित अन्य जानकारियां भी साझा की गई। आगामी दिवसों में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में पुनर्वास पैकेज की अतिरिक्त राशि का वितरण किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय सर्पदंश जागरूकता दिवस पर दक्षिण पन्ना में गांव-गांव पहुंचा सर्प सुरक्षा अभियान

स्कूलों में सर्पलोक और सांप-सीढ़ी से सीख रहे बच्चे, ग्रामीणों को टॉर्च-मच्छरदानी देकर सर्पदंश से बचाव की समझाइश



दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। अंतरराष्ट्रीय सर्पदंश जागरूकता दिवस के अवसर पर दक्षिण पन्ना वनमंडल में चल रहे सर्पदंश जागरूकता अभियान के तहत शाहनगर परिक्षेत्र के बिसानी, धौवापुरा एवं बिहरिया सहित विभिन्न गांवों में विद्यार्थियों, शिक्षकों और ग्रामीणों के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। बिसानी में बच्चों को विशेष रूप से तैयार सर्पलोक कार्ड गेम के माध्यम से विषैले एवं विषहीन सर्पों, सर्पदंश से बचाव तथा सांपों से जुड़े भ्रम और तथ्यों की जानकारी रोचक तरीके से दी गई। कार्यक्रम में वनपाल सत्यप्रभा सिंह, वनरक्षक राघवेंद्र पांडेय एवं रचना जादोन सहित सुरक्षा श्रमिक उपस्थित रहे।

धौवापुरा एवं बिहरिया में ग्रामीणों तथा सर्पदंश प्रभावित परिवारों के साथ सर्पों की पहचान, सर्पदंश से बचाव और घटना होने पर उठाए जाने वाले सही कदमों पर चर्चा की गई। ग्रामीणों को समझाया गया कि सर्पदंश होने पर झाड़-फूंक, ओझा अथवा घरेलू उपचार में समय न गंवाकर पीड़ित को तत्काल अस्पताल पहुंचाएं। कार्यक्रम में परिक्षेत्र सहायक आर.पी. पटेल, वनरक्षक उदयभान सिंह सहित ग्राम पंचायत एवं वन समिति के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अभियान को केवल एक दिवस तक सीमित न रखते हुए पिछले कुछ दिनों से लगातार गांवों और विद्यालयों तक पहुंचाया जा रहा है। शाहनगर परिक्षेत्र के रैगवां एवं ताला के विद्यालयों में विद्यार्थियों को सर्पलोक कार्ड गेम के माध्यम से सर्प सुरक्षा, सर्पदंश के बाद सही कदम और अंधविश्वास से बचने की जानकारी दी गई। इन गतिविधियों में वनपाल आशीष कुमार पांडेय, चंद्र प्रकाश शर्मा तथा वनरक्षक उदयभान सिंह ने विद्यार्थियों से संवाद किया। वहीं कल्दा परिक्षेत्र के दूरस्थ बंजारी गांव में बच्चों के लिए सर्पदंश जागरूकता सांप-सीढ़ी तथा ग्रामीणों के लिए सर्पलोक कार्ड गेम का उपयोग किया गया। यहां वनपाल धर्मराज सिंह, वनपाल वीरभद्र सिंह एवं वनरक्षक वीरेंद्र पटेल ने जागरूकता कार्यक्रम में सहभागिता की।

सलेहा परिक्षेत्र में भी अभियान के तहत मुटमुरू हाई स्कूल सहित विभिन्न गांवों में विद्यार्थियों और ग्रामीणों को सांपों की पहचान, सर्पदंश से बचाव तथा सामाजिक अंधविश्वासों के प्रति जागरूक किया गया। मुटमुरू में आसपास के लगभग 10 गांवों के 99 विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में भाग लिया, जहां वनरक्षक महेंद्र कुमार अग्रहरि ने बच्चों को सर्पलोक कार्ड गेम के माध्यम से जानकारी दी। खिलसारी में वनरक्षक सूर्य प्रताप सिंह, भितरी में वनरक्षक नीरज पांडे तथा कटरा-नयागांव में वनरक्षक प्रीति दुबे ने ग्रामीणों को सर्प सुरक्षा संबंधी जानकारी देते हुए टॉर्च वितरण में सहभागिता की।

अभियान में जागरूकता के साथ व्यावहारिक सुरक्षा उपायों पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। शाहनगर परिक्षेत्र के बिसानी, रामपुर, टिकरिया, उमरिया, चौरा, करोंदी, गजन्दा एवं रैगवां सहित विभिन्न ग्राम वन समितियों के सदस्यों, महिलाओं एवं सुरक्षा श्रमिकों को रात में खेतों तथा घर के आसपास सुरक्षित आवागमन के लिए टॉर्च वितरित की गईं। कुछ स्थानों पर मच्छरदानियां भी प्रदान की गईं। इन गतिविधियों में परिक्षेत्र सहायक श्रीनिवास पांडेय एवं अनिल प्रताप, वनपाल चंद्र प्रकाश शर्मा व आशीष कुमार पांडेय तथा वनरक्षक रचना जादोन, राघवेंद्र पांडेय, राजेश यादव एवं शिव प्रताप सिंह सहित मैदानी अमले ने सहभागिता की। सलेहा के विभिन्न ग्राम वन समिति क्षेत्रों में भी इसी प्रकार टॉर्च एवं मच्छरदानी वितरण के साथ सुरक्षा संबंधी समझाइश दी जा रही है।

दक्षिण पन्ना वनमंडल का प्रयास है कि सर्पदंश से बचाव का संदेश बच्चों से लेकर परिवारों और वनाश्रित समुदायों तक सरल एवं व्यवहारिक तरीके से पहुंचे। अभियान में खेल के माध्यम से सीख के साथ प्रत्यक्ष सुरक्षा उपायों को जोड़ते हुए कार्ड गेम, सांप-सीढ़ी, वीडियो, ग्रामीण संवाद, टॉर्च एवं मच्छरदानी जैसे माध्यम अपनाए जा रहे हैं, ताकि सर्पों के प्रति अनावश्यक भय और अंधविश्वास कम हों, सर्पों को अनावश्यक रूप से मारने की प्रवृत्ति घटे और सर्पदंश की स्थिति में पीड़ित को समय पर उचित चिकित्सा मिल सके।

कलेक्टर ने ली समय-सीमा बैठक



दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा, सीएम मॉनिट, विभिन्न विभागीय योजनाओं, लंबित प्रकरणों तथा शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों की स्थिति की भी समीक्षा की। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को अभियान के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा पोर्टल पर जानकारी एवं प्रगति की प्रविष्टियां समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से प्रतिदिन की प्रगति की समीक्षा एवं मॉनिटरिंग पर विशेष ध्यान देने को कहा। विदित है कि 25 सितम्बर को जनपद पंचायत गोटेगांव के करेलीकलां में जन संवाद शिविर का आयोजन होगा।

चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता आयोजित

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस शासकीय हाई स्कूल खापा (शेढ़) में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्टैचू ऑफ यूनिटी, राम मंदिर, चंद्रयान, ब्रह्मोस मिसाइल, चिनाब ब्रिज, महाकाल लोक, सांदीपनि विद्यालय, प्रधानमंत्री आवास, नया संसद भवन, उज्ज्वला गैस, डिजिटल पेमेंट, नक्सल मुक्त भारत एवं कोविड काल सहित विभिन्न विषयों पर अपनी कला का प्रदर्शन किया।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स, वार्ड वॉय, आया बाई, फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो. जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556, 9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

भुआ-बिछिया में बने गार्डन पर घमासान!

सरकारी योजनाओं के नाम पर विकास की लूट का आरोप, जनता पूछ रही—कहां बना और कितने का गार्डन, किसके लिए बना ?

दैनिक रेवांचल टाईम्स - मंडला, भुआ-बिछिया। नगर परिषद भुआ-बिछिया में सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों के नाम पर खर्च होने वाली राशि को लेकर एक और मामला सवालों के घेरे में है। 15 वार्डों वाली नगर परिषद में गार्डन निर्माण की चर्चा तो है, लेकिन कई वार्डवासियों को यह तक स्पष्ट नहीं कि गार्डन आखिर बना कहां है, किस योजना से बना और निर्माण पर सरकारी खजाने से कितनी रकम खर्च हुई। यही सवाल अब नगर परिषद की कार्यप्रणाली, पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े कर रहे हैं। सवाल सीधा है—जब पैसा जनता का है तो काम की जानकारी जनता से क्यों छिपी है? गार्डन कितने में बना या कागजों में विकास? यदि वास्तव में नगर परिषद द्वारा गार्डन का निर्माण कराया गया है तो उसका निर्माण स्थल, स्वीकृत राशि, योजना/मद, कार्यादेश, निर्माण एजेंसी और भुगतान का विवरण सार्वजनिक होना चाहिए। लेकिन आम नागरिकों के बीच जानकारी का अभाव कई तरह की आशंकाओं को जन्म दे रहा है। मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि नगर विकास के नाम पर सरकारी धन खर्च होता है और उसकी जवाबदेही अंततः जनता के प्रति होती है। ऐसे में किसी निर्माण कार्य की पहचान और पूरी जानकारी ही स्पष्ट न हो तो सिर्फ फाइलों में विकास दिखाने की आशंका पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

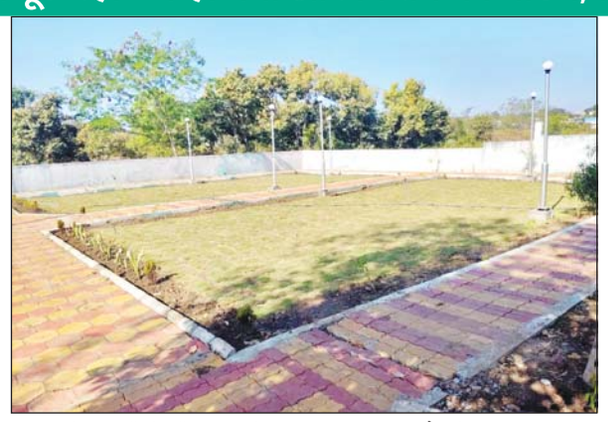
जनप्रतिनिधियों को भी पूरी जानकारी नहीं?

नगर में चर्चा है कि कुछ जनप्रतिनिधियों को भी कथित गार्डन निर्माण की प्रक्रिया और स्थान की विस्तृत जानकारी नहीं है। हालांकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यदि ऐसा है तो यह नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर और गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को भी विकास कार्यों की जानकारी नहीं दी जा रही? या फिर कामकाज की ऐसी व्यवस्था है जिसमें जनता और जनप्रतिनिधि दोनों को अंधेरे में रखा जा रहा है?



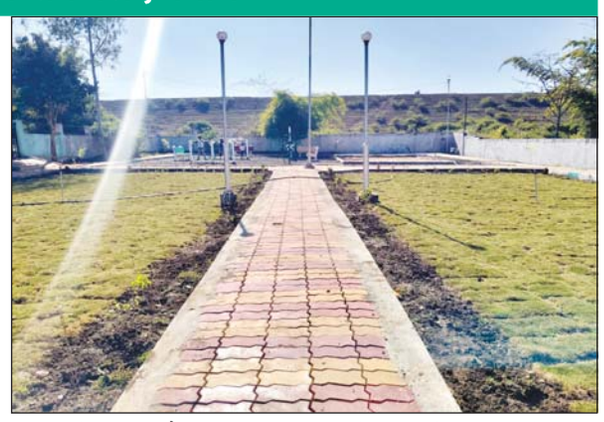
अब इन सवालों का जवाब देना होगा

गार्डन किस स्थान पर बनाया गया?
किस योजना/मद से राशि स्वीकृत हुई?
कितनी राशि स्वीकृत और कितनी खर्च हुई?
प्रशासकीय एवं तकनीकी स्वीकृति कब मिली? निविदा प्रक्रिया अपनाई गई या नहीं? कार्यादेश किस ठेकेदार/एजेंसी को दिया गया? माप पुस्तिका में कितना कार्य दर्ज है? बिल-वाउचर के आधार पर कितना भुगतान हुआ? कार्य की गुणवत्ता की जांच किसने की? निर्माण की निगरानी किस अधिकारी ने की? क्या मौके पर स्वीकृत नक्शे और प्राक्कलन के अनुरूप गार्डन मौजूद है?
यदि गार्डन बन चुका है तो जनता को उसका स्थान और विवरण सार्वजनिक क्यों नहीं बताया गया?
सरकारी योजनाएं जनता के लिए या कागजी खानापूर्ति के लिए?
भुआ-बिछिया में विकास कार्यों को लेकर यदि लगातार सवाल उठ रहे हैं तो यह केवल किसी एक निर्माण की बात नहीं रह जाती। यह सवाल नगर परिषद की वित्तीय पारदर्शिता, कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था से जुड़ जाता है। जनता के नाम पर योजनाएं स्वीकृत होती हैं, सरकारी खजाने से भुगतान होता है और फिर यदि उसी काम की जानकारी जनता को तलाशनी पड़े तो व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है। जनहित के नाम पर योजनाओं की राशि खर्च करने वालों को यह समझना होगा कि सरकारी पैसा किसी अधिकारी, कर्मचारी, ठेकेदार या जनप्रतिनिधि का निजी धन नहीं है—यह जनता के टैक्स और सरकारी बजट की राशि है।



जिला प्रशासन की ह्यगहरी नींद कब टूटेगी?

अब निगाहें जिला प्रशासन पर हैं। यदि प्रशासन वास्तव में पारदर्शिता सुनिश्चित करना चाहता है तो इस मामले में फाइलों की जांच के साथ मौके का भौतिक सत्यापन कराया जाना चाहिए। स्वीकृति आदेश से लेकर तकनीकी स्वीकृति, निविदा, कार्यादेश, माप पुस्तिका, बिल-वाउचर, भुगतान रजिस्टर और मौके की वास्तविक स्थिति—इन सभी का मिलान कराया जाए।



फाइल में गार्डन और जमीन पर गार्डन—दोनों का हिसाब सामने आना चाहिए। यदि निर्माण नियमानुसार हुआ है तो जांच से स्थिति साफ हो जाएगी। यदि दस्तावेज और मौके की वास्तविकता में अंतर मिलता है तो संबंधित अधिकारी, कर्मचारी, एजेंसी अथवा अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों की भूमिका की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

जनता को चाहिए विकास का हिसाब, भाषण नहीं

वही भुआ-बिछिया की जनता अब केवल दावे नहीं, दस्तावेज और जमीन पर दिखाई देने वाला विकास चाहती है। नगर परिषद को बताना चाहिए कि कथित गार्डन कहां है, किस योजना से बना, किसने बनाया और जनता के पैसे से कितना खर्च हुआ? और जिला प्रशासन को यह तय करना होगा कि मामला केवल चचाओं तक सीमित रहेगा या फाइल खोलकर मौके तक जांच पहुंचेगी। अब सवाल गार्डन का नहीं, सरकारी धन की पारदर्शिता का है। जनता पूछ रही है—विकास हुआ है तो हिसाब सार्वजनिक करने में डर कैसा?

मंडला-डिंडोरी सड़क निर्माण में देरी ने बढ़ाई ग्रामीणों की मुसीबत

धीमी रफ्तार, जलभराव, अधूरी नालियां और टूटती पाइपलाइन से परेशान ग्रामीण; कांग्रेस ने आंदोलन की रणनीति बनाई







दैनिक रेवांचल टाईम्स - मंडला। मंडला-डिंडोरी मुख्य मार्ग का निर्माण ग्रामीणों के लिए सुविधा से ज्यादा परेशानी का कारण बनता जा रहा है। सड़क निर्माण की धीमी गति, गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवाल और निर्माण के दौरान पैदा हुई अव्यवस्थाओं ने बरबसपुर क्षेत्र के ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बराटोला एवं रसैयादोना में ग्रामीणों के साथ हुई बैठक में सड़क निर्माण से जुड़ी समस्याओं को लेकर जमकर चर्चा हुई और जिम्मेदार विभागों से जवाब मांगने की रणनीति तैयार की गई। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण के दौरान वाटर क्रॉसिंग, जल निकासी, बारिश के पानी के भराव, पेयजल पाइपलाइन की टूट-फूट और सड़क किनारे नालियों जैसी मूलभूत समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। बारिश के समय सड़क किनारे पानी जमा होने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर अधूरी अथवा असमतल नालियां दुर्घटना का खतरा बढ़ा रही हैं। मामला केवल सड़क की गति तक सीमित नहीं है। क्षेत्र में 33 केवी हाई-वोल्टेज विद्युत लाइन, केबल और बिजली पोल से जुड़ी समस्याएं भी सामने आई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण और विद्युत व्यवस्था से जुड़े विभागों के बीच समुचित समन्वय नहीं हुआ तो भविष्य में दुर्घटना अथवा जनहानि की स्थिति पैदा हो सकती है।

सड़क निर्माण के नाम पर जनता को परेशानी क्यों?

सड़क किसी क्षेत्र के विकास की सबसे बुनियादी जरूरत है। लेकिन यदि निर्माण के दौरान ही जल निकासी, पेयजल लाइन, बिजली व्यवस्था और सुरक्षा जैसे जरूरी पहलुओं की अनदेखी होती है तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि योजना बनाते समय इन समस्याओं का ध्यान क्यों नहीं रखा गया? ग्रामीणों की मांग है कि सड़क निर्माण की प्रगति और गुणवत्ता की वास्तविक स्थिति की जांच कराई जाए। निर्माण एजेंसी को मौके की समस्याओं का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए जाएं और जहां निर्माण में कमी है वहां आवश्यक सुधार कराया जाए। बैठक में तय किया गया कि ग्रामीणों की सभी समस्याओं को एकत्र कर संबंधित विभाग एवं निर्माण एजेंसी के सामने रखा जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर स्थल निरीक्षण और जनहित में आंदोलन भी किया जाएगा। बैठक में पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले, महेंद्र चंदौल, ब्लॉक अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष सोनू मलावी, मंडलम अध्यक्ष सुरेश यादव, गणेश पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। अब सवाल यह है कि जिम्मेदार विभाग सड़क निर्माण पूरा करने की औपचारिकता निभाएंगे या ग्रामीणों की वास्तविक समस्याओं का स्थायी समाधान भी करेंगे? सड़क समय पर बने, मजबूत बने और सुरक्षित बने—यही ग्रामीणों की मांग है। विकास के नाम पर जनता को सुविधा मिलने के बजाय यदि रोजमर्रा की परेशानी बढ़ती है, तो जिम्मेदार अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को जवाब देना ही होगा।

त्यागी चौक में गूंजा गणपति बप्पा मोरया, भव्य महाआरती में उमड़ा आस्था का सैलाब

साहू एवं झरिया समाज के आयोजन में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु, पूजा-अर्चना के बाद हुआ प्रसाद वितरण

दैनिक रेवांचल टाइम्स - घुघरी। गणेश उत्सव के पावन अवसर पर तहसील मुख्यालय घुघरी के त्यागी चौक में भक्ति और आस्था का भव्य नजारा देखने को मिला। साहू एवं झरिया समाज द्वारा भगवान श्री गणेश की भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी के बीच पूरा क्षेत्र गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से गूंज उठा।

विधि-विधान से पूजा के बाद हुई महाआरती

भगवान श्री गणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना के पश्चात सामूहिक महाआरती की गई। आरती के दौरान श्रद्धालु भक्तिभाव में डूबे नजर आए। महिलाओं, युवाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए भगवान गणेश से क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

भक्ति के रंग में रंगा त्यागी चौक

महाआरती के दौरान त्यागी चौक पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखते ही बनी। गणेश जी के जयकारों और भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय हो गया। महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन की खास बात साहू एवं झरिया समाज के सदस्यों की सामूहिक सहभागिता रही। समाज के सदस्यों ने मिलकर व्यवस्थाएं संभालीं और धार्मिक आयोजन को भव्य स्वरूप दिया। श्रद्धालुओं की बड़ी सहभागिता ने आयोजन के उत्साह को और बढ़ा दिया।



इन सदस्यों की रही महत्वपूर्ण भूमिका

महाआरती के आयोजन को सफल बनाने में समिति के सदस्य रमाकांत साहू, रमेश झरिया, नेतराम साहू, राजेश वाजपेई, नंदकिशोर बाजपेई, रामकुमार साहू, शंभू साहू, दिनेश साहू एवं सुंदर लाल साहू सहित अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समिति ने आयोजन की व्यवस्थाओं को संभालने के साथ श्रद्धालुओं की सहभागिता सुनिश्चित करने में सहयोग किया।

गणपति बप्पा मोरया से गूंजता रहा चौक

सामूहिक महाआरती के दौरान श्रद्धालुओं के जयघोष से पूरा त्यागी चौक भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और प्रसाद ग्रहण किया। धार्मिक आस्था के साथ आयोजन में सामाजिक एकता और सामूहिक सहभागिता की झलक भी देखने को मिली।

छात्रावासों में लापरवाही नहीं चलेगी! सहायक आयुक्त डॉ. अरुण शुक्ला ने परखी व्यवस्थाएं

भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य, स्वच्छता और बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति पर दिए कड़े निर्देश

दैनिक रेवांचल टाइम्स - घुघरी। जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत संचालित छात्रावास एवं आश्रमों में विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जमीनी स्थिति जानने के लिए सहायक आयुक्त डॉ. अरुण शुक्ला ने विकासखंड घुघरी के विभिन्न छात्रावास एवं आश्रमों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान भोजन से लेकर पेयजल, स्वास्थ्य, स्वच्छता, मच्छरदानी और विद्यार्थियों की उपस्थिति तक की व्यवस्थाओं को देखा गया।

कन्या छात्रावास से राजा शंकर शाह छात्रावास तक निरीक्षण

सहायक आयुक्त ने वीरांगना रानी दुर्गावती कन्या छात्रावास एवं कन्या आश्रम, उत्कृष्ट राजा शंकर शाह छात्रावास एवं आश्रम सहित अन्य संस्थाओं का निरीक्षण किया। संबंधित अधीक्षकों और कर्मचारियों को विद्यार्थियों को शासन द्वारा निर्धारित सुविधाएं गुणवत्तापूर्ण तरीके से उपलब्ध कराने और व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए गए।



थाली में वही भोजन पहुंचे, जो मीनू में निर्धारित- निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों के भोजन की गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया गया। सहायक आयुक्त ने निर्देश दिए कि बच्चों को निर्धारित मीनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए।

अधीक्षक भी बच्चों के साथ करें नाश्ता और भोजन- अधीक्षकों को बच्चों के साथ स्वयं नाश्ता एवं भोजन करने तथा उसकी फोटो भेजने के निर्देश भी दिए गए। इसका उद्देश्य भोजन की वास्तविक गुणवत्ता और वितरण व्यवस्था की नियमित निगरानी सुनिश्चित करना है।

दो छात्राओं की तबीयत खराब मिली, तत्काल कराया उपचार

बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर भी विशेष निर्देश दिए गए। सभी छात्रावास एवं आश्रमों में विद्यार्थियों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने और उसका रिकॉर्ड व्यवस्थित रूप से संधारित करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान वीरांगना रानी दुर्गावती कन्या आश्रम घुघरी में दो छात्राओं की तबीयत ठीक नहीं मिली। दोनों छात्राओं को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुघरी ले जाकर उपचार कराया गया।

पेयजल और स्वच्छता व्यवस्था भी जांच के दायरे में

छात्रावासों में विद्यार्थियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के साथ परिसर और आसपास नियमित साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए गए। बच्चों को मच्छरों से बचाने के लिए मच्छरदानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने को भी कहा गया।

शत-प्रतिशत उपस्थिति पर भी जोर

सहायक आयुक्त ने छात्रावासों एवं आश्रमों में रहने वाले विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधीक्षकों को नियमित रूप से उपस्थिति की निगरानी करने और अनियमितता मिलने पर आवश्यक कदम उठाने को कहा गया।

निरीक्षण में इन व्यवस्थाओं पर रहा विशेष फोकस

- निर्धारित मीनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन
- शुद्ध पेयजल की उपलब्धता
- विद्यार्थियों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण
- स्वास्थ्य परीक्षण का रिकॉर्ड संधारण
- छात्रावास परिसर में नियमित साफ-सफाई
- मच्छरदानी की उपलब्धता
- विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति

सुविधाएं कागजों में नहीं, बच्चों तक पहुंचें

निरीक्षण का मुख्य जोर इस बात पर रहा कि शासन द्वारा विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का लाभ वास्तविक रूप से बच्चों तक पहुंचे। छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों के भोजन, स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वच्छता और दैनिक आवश्यकताओं की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए गए।

अब निदेर्शों के पालन की बारी

औचक निरीक्षण के बाद अब नजर इस बात पर रहेगी कि दिए गए निदेर्शों का पालन कितनी गंभीरता और नियमितता से होता है। व्यवस्थाओं की सतत निगरानी से ही स्पष्ट होगा कि सुधार के निर्देश धरातल पर कितने प्रभावी साबित होते हैं और विद्यार्थियों को उनका वास्तविक लाभ कितना मिल पाता है।

स्व. प्रीतम सिंह वरकड़े के निधन के बाद यशोदा कमलेश गोंड को मिली पंचायत की जिम्मेदारी

16 में से 13 पंचों ने दिया समर्थन, 17 सितंबर को तहसीलदार नैनपुर की मौजूदगी में निर्वाचन; 22 सितंबर को सामान्य सभा में ग्रहण किया पदभार

दैनिक रेवांचल टाईम्स - मंडला। नैनपुर ग्राम पंचायत भरभेली के तत्कालीन सरपंच स्वर्गीय प्रीतम सिंह वरकड़े के निधन के बाद रिक्त हुए सरपंच पद पर श्रीमती यशोदा कमलेश गोंड को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। 17 सितंबर को तहसीलदार नैनपुर की मौजूदगी में आयोजित निर्वाचन प्रक्रिया में कुल 16 पंचों में से 13 पंचों ने यशोदा कमलेश गोंड के समर्थन में अपनी सहमति व्यक्त की। पंचों के बहुमत के आधार पर उन्हें ग्राम पंचायत भरभेली की सरपंच नियुक्त किया गया। चूंकि ग्राम पंचायत भरभेली के सरपंच स्वर्गीय प्रीतम सिंह वरकड़े के निधन से सरपंच का पद रिक्त हुआ था। उनके निधन से ग्राम पंचायत सहित क्षेत्र में शोक की लहर थी। ग्रामीणों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनके द्वारा पंचायत एवं ग्रामीणों के हित में किए गए कार्यों को याद किया। पूर्व सरपंच के असमय निधन के बाद पंचायत की जिम्मेदारी को आगे बढ़ाने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत 17 सितंबर को पंचों की बैठक आयोजित की गई। तहसीलदार नैनपुर की मौजूदगी में निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई, जिसमें 16 पंचों में से 13 पंचों ने श्रीमती यशोदा कमलेश गोंड के पक्ष में समर्थन दिया।



13 पंचों के समर्थन से मिली जिम्मेदारी

बहुमत प्राप्त होने के बाद श्रीमती यशोदा कमलेश गोंड को ग्राम पंचायत भरभेली की सरपंच पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। उनके निर्वाचन के बाद पंचों एवं ग्रामीणों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। नई सरपंच के सामने पंचायत के विकास कार्यों को गति देने के साथ-साथ ग्रामीणों की मूलभूत समस्याओं का समाधान, पंचायत की प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करना तथा सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी।

22 सितंबर को सामान्य सभा में ग्रहण किया पदभार

निर्वाचन के बाद 22 सितंबर को ग्राम पंचायत भरभेली में आयोजित सामान्य प्रशासन की सभा में श्रीमती यशोदा कमलेश गोंड ने औपचारिक रूप से सरपंच पद का पदभार ग्रहण किया। इस दौरान पंचगण एवं पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे। पदभार ग्रहण करते हुए नई सरपंच ने पंचायत के विकास और ग्रामीणों के हित में कार्य करने की दिशा में जिम्मेदारी संभाली। पंचायत के सभी वार्डों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कराकर उनके निराकरण तथा उपलब्ध शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र ग्रामीणों तक पहुंचाने पर जोर दिए जाने की बात कही गई।

पूर्व सरपंच की स्मृति और जिम्मेदारी को आगे बढ़ाने की अपेक्षा - अखिलेश यादव

उपसरपंच अखिलेश यादव ने कहा कि स्वर्गीय प्रीतम सिंह वरकड़े के निधन से पंचायत ने एक अनुभवी जनप्रतिनिधि को खोया है। उनके अधूरे कार्यों और ग्रामीणों की अपेक्षाओं को आगे बढ़ाना नई सरपंच एवं पंचायत के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। श्रीमती यशोदा कमलेश गोंड के सरपंच पद संभालने के साथ ही ग्रामीणों को पंचायत में विकास, पारदर्शिता और जनभागीदारी के साथ कार्य आगे बढ़ने की उम्मीद है। पंचगणों के सहयोग से ग्राम पंचायत भरभेली को विकास की दिशा में आगे ले जाने की चुनौती अब नई सरपंच के सामने है। ग्रामवासियों ने स्वर्गीय पूर्व सरपंच को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा नवनियुक्त सरपंच श्रीमती यशोदा कमलेश गोंड को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।



स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक, मुकेश श्रीवास द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं सिविल लाईन जवाहर वार्ड मंडला से प्रकाशित। प्रधान संपादक-मुकेश श्रीवास, सिविल लाईन, जवाहर वार्ड मंडला । मो. 9406771592, संपादक - प्रहलाद उइके
RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877 (समाचार पत्र के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार मंडला) Email:- revanchaltimes@gmail.com web-revanchaltimes.in